PROGRESS REPORT –CASA

PROJECT NO. & TITLE:-

20110360G/KED EK 46/2011/16,Integrated Development Activities T Empower Poor And Marginalized Communit In Chhatarpur Distict,(M.P.)

E-mail- Pradeep_abhar@yahoo.co.in, Abharmahil23@gmail.co.in
Website- www.amschhatarpur.org
Contact- 07682 242315, 9424344088

Abhar Mahila Samiti Chhatarpur
Peptec City Deri Road H.No. 162 MIG Chhatarpur M.P. 471001

1 OCTOBER 2015 TO 31 DECEMBER 2015

Abhar Tem

The contents of Progress Report

1. INTRODUCTION

A. Organisation-

आभार महिला समिति छतरपुर म0प्र0 एक स्वंय सेवी संस्था है जिसका कार्य क्षेत्र सम्पुण भारत वर्ष है जो वतर्मान मे छतरपुर जिले मे स्वयं सेबी संस्था के रूप मे कार्य कर रही है। जिसकी बुनियाद 18/07/2000 को समाजिक कार्यकर्ता **आशा देवी खरे** व कुछ साथियो द्धारा की गई उस समय संस्था एक गैर पंजिकृत संस्था के रुप में काम कर रही थी उसके वाद लोग की सोच में वदलाव आया और 17 जुलाई 2003 को आभार महिला समिति छतरपुर फार्म सोसायटी सागर से पंजियन कराया गया। संस्था मुख्य रुप से ऐसे वर्ग समुदाय के लिए कार्य करती है जो समाज की मुख्य धारा से वचित है या जिन्हे षासन की जन कल्याण कारी योजनाओ का लाभ नही मि पा रहा जिसमें षिक्षा /स्वास्थ्य/ महिला सषक्तिकरण,/ बाल अधिकार, आजिविका/जैविक कृषी पर्यावरण व जल सरंक्षण जैसे विषय संस्था की मुख्य विचार धारा के विषय है। जिसमे संस्था जिले के चार ब्लाक मे कार्य कर रही है।

समाज के ऐसे वर्ग समुदाय जो किसी न किसी कारण से आज वचित है ऐसे वर्ग समुदाय को जागरुक व सगंठित कर समाज की मुख्य धारा से जोडना ताकी वह अपने अधिकारो को जान सके और अपने अधिकारो की लडाई स्वंय लड सके ताकी वह समाज मे आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर समाज का हिस्सा वन कर जीवन यापन कर सके।

आभार महिला समिति द्धारा कासा भोपाल के सहयोग से ब्लाक छतरपुर मे गरीब एवं अल्पसंख्यक समुदाय के सशक्तिकरण हेतू समेकित विकास गतिविधिया कार्यक्रम का संचालन नम्बर 2009 से किया जा रहा है। जिसमे अ0 जा0, अ0 जन0 जाति, तथा अन्य पिछडा वर्ग समुदाय के विकास हेतू महिला सशक्तिकरण, आजिविका, ग्राम सरकार में महिलाओं की संघन भागेदारी, के साथ ग्राम स्तर पर ही रोजगार उपल्बध कराना, व स्थानीय संस्थाऐ मजबूती से कार्य करे जैसे उदद्धेश्य को लेकर कार्य किया जा रहा है।

कासा परियोजना के सहयोग से आभार महिला समिति द्धारा छतरपुर ब्लाक की 15 पंचायतो के 17 ग्रामें ग्राम (खैरो, जैतुपुरा, बगा, रनगुवा कदवा, परापट्टी, पिपैराकला खुर्द, बरद्धाहा, गोची, पिपोरकला, पनोठा, बसाटा, अतरार, हिम्मतपुरा, मानपुरा, कुर्रा, बूदैार) मे कार्य कर रही है।

B. GENERAL INFORMATION

1.1	Name of organisation:	Abhar Mahila Samiti Chhatpur M.P.
1.2	Physical Address:	Peptec City Deri Road H.No. MIG 162 Chhatapur M.P Pin 471001
1.3	Postal Address:	Peptec City Deri Road H.No. MIG 162 Chhatapur M.P Pin 471001
1.4	Telephone:	07682-242315, 9424344088, 9407005729
1.5	Contact Person (With cell phone no.):	Pradeep Khare, 9424344088 Prabhati Khare 9407005729
1.6	Fax:-	-
1.7	E-mail:-	Pradeep_abhar@yahoo.co.in, abharmahila23@gmail.com

		Abharchhatarpur@yahoo.com
1.8	Website:	www.amschhatarpur.org
1.9	Project Title:	Integrated Development Activities To Empower Poor And Marginalized Community In Chhatarpur Distict,(M.P.)
1.10	Project Number:	20110360G/KED EK 46/2011/16.
1.11	Project Period:	2012-2015
1.12	Reporting Period:	*October 2013 March 2014*
1.13	Date of the Report:	*31/12/15*
1.14	Author of the Report:	Prabhati Khare

B. Project area details-

Operational Area/Geographical location -कार्यक्षेत्र जिला छतरपुर के अन्तर्गत आता है जिसकी भौगोलिक स्थिति की बात करे तो ग्राम की कुल दूरी 55 किलो मी0 है। बुन्देलखण्ड मे बारिष पर्याप्त न होने के कारण जल स्त्रोतो मे इतना पानी नही है कि किसान साल भर आसानी से कृषि कर सके। लेकिन इस बार एक बार की फसल के लिए लोगो के पास पर्याप्त पानी है। कार्यक्षेत्र के 06 ग्रामों मे छोटी–छोटी पहाडी अैार जंगल है। ग्रामो मे मुख्य रूप से चिकनी व काली मिट्टी तथा लाल मिट्टी मुख्य रुप सें पाई जाती है। कार्यक्षेत्र का ज्यादातर हिस्सा पहाडी व पथरीला है।

कार्यक्षेत्र मे अगर सामाजिक, आर्थिक, राजनैातिक अैार पार्यावरण की स्थिति की बात करे तो आज भी ग्रामों पुरानी रूढिवादी परम्पराओ से घिरा हुआ है। समाज मे आज भी बहुत सारी कुरूरीतियां व्यार्प्त है जिनमे दहेज प्रथा, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, सामाजिक लिंग भेद पर्दा प्रथा प्रमुख रुप से दिखई देती है।

ग्रामो के लोगो की आर्थिक स्थिति को देखे तो ग्रामो मे मुख्यताः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति अैार पिछडा वर्ग समुदाय के परिवारो की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब व दयनीय है क्योकि ग्रामो मे लोगो के पास अजीविका चलाने के लिए पार्यप्त सनंसाधन नही है। सूखा पडने के साथ साथ लोगो के पास सिचित जमीन /खेती नही है कुछ परिवारो के पास जमीन नही है। जमीन है तो सिचाई के लिए पर्याप्त सनंसाधन नही है पानी नही है। जबकी लोगो का मुख्य व्यवसाय खेती है जिससे लोग की आजिविका चलती है।

- Outreach details of the project areas

S.N	Village	Target HHs	Target Male	Target Female	Nrega Job carders	BPL	PDS	Single women	Disable persons
1	जैतूपुरा	28	104	64	12	28	28	01	6
2	बरद्वाहा	145	262	275	35	88	20	03	3
3	हिम्मतपुरा	55	142	112	17	40	18	01	8
4	पिपर्रोकला	92	108	128	20	66	35	-	3
5	कुर्रा	86	116	94	15	70	40	01	6
6	गोची	45	84	96	15	25	38	02	7

7	अंतरार	40	102	98	20	33	20	02	3
8	पनौठा	68	109	119	11	40	45	01	3
9	बसाटा	40	66	99	21	28	21	03	
10	रनगुवा	111	168	102	18	68	22	02	8
11	कदंवा	84	164	2176	21	56	12	01	4
12	पिपर्राकलाखुर्द	260	615	722	12	68	58	01	2
13	परापट्री	39	105	82	12	44	25	01	4
14	बुदोर	48	98	135	10	33	38	-	3
15	खेरो	75	220	128	10	52	12	-	5
16	मानपुरा	59	64	121	08	30	28	-	2
17	बगा	45	27	15	11	45	15	01	-
कुल योग–		**1320**	**2554**	**4566**	**268**	**814**	**475**	**20**	**67**

- Context: Underlying problem analysis of the project-

पिछले 5 वर्ष से सूखा की मार झेल रहा बुनदलेखण्ड की इस वार तो किसानो की कमर तोड दी। किसान कर रहे आत्मा हत्या रोटी रोटी के लिए है मोहताज बेरोजगारी कर्ज विजली का बिल ने किसान को वना दिया अपंग आय का नही कोई साधन लोग कर रहे दिप प्रति दिन पलायन पषुओ को नही है पीने व खाने के लिए चारा जहा पर हजारो किसान लाखो पषुओ का होता था वसेरा आज वहा पर सेकडो मे रह गये लोग।सरकारी योजनाओ का कागज मे ही है नाम रोजगार गांरटी या अन्य योजनाऐ नाम का सहारा।

राजनैतिक स्थिति को देखे तो ग्रामो मे आज भी सामांतशाही और पितृसत्तामक व्यवस्था व्याप्त है। शासन द्धारा महिलाओ को तो पुरूषो के समान अधिकार दिये गये है लेकिन ग्रामो मे लोग महिलाओ को पुरूषो के समान अधिकार नही देते है। ग्रामो मे आज भी महिलाओं को परिवार में अधिकार नही है कि वह कोई निर्णय ले सके या अपनी ईच्छा से वह कुछ कार्य कर सके कही आ जा सके वही पर्दाप्रथा, जैसी समाजिक बुराई विद्वान है। अगर हम राजनीतिक स्थिति की बात करे तो महिलाऐ सरपंच, उपसरपंच जनप्रतिनिधी तो बन गई है पर उनको मालूम तक नही है कि वह क्या है और पंचायत क्या होती है कोन सी योजना चल रही है या ग्राम सभा क्या होती है। क्योकि उनका पुरा काम उनके पति या पुत्र कर रहे या गावॅ के दमंग व्यक्ति पंचायत चला रहे है ।

कार्य प्रारम्भ होने पर स्थिति की बात करे तो सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक ,परिवर्तन ,समाज में समुदाय के लोगो मे अपने स्वास्थ्य एवं शासकीय योजनाओ पर लोगो की समझ विकसित हुई है। महिला अधिनियम 2005 के बारे मे महिलाओ की समझ स्पष्ट हुई षासकीय योजनाओ पर लोगो की समझ स्पष्ट हुई लोग स्वयं काम की मांग करने लगे लोगो की समाजिक/आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए बीज बैंक की स्थापना की जा रही है। किचिन ग्रार्डन लगाये जिससे कि लोगो की जिन्दगी में बदलाव आ रहा है वही समूह/फेडरेषन के माध्यम से लोग अपना पैसा लेकर कार्य कर रहे है जिससे बाहर कर्ज व ब्याज से लोगो को राहत मिल रही रही है। लोगो को बीज ग्राम स्तर पर ही मिल सके इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। वही ग्राम सरकार की महिला जन प्रतिनिधीयो का मनोबल बढा जिससें महिला सरपंच उपसरपंच, पंच घर से बाहर जनपद/जिला पंचायत तक आ जा रही है सरकारी कमचारियो से अपनी समस्याओ कें खुल कर रख रही।

Changes within the Organisation during the reporting period -Change of Management Structure: YES/NO. - If yes, please describe [Yes]

1– परियोजना के साथ जुडकर काम करने से संस्थागत स्तर पर बहुत से बदलाव हुऐ है। जैसे government body strong हुई है। रिर्पोट सिस्टम मे सुधार हुआ ।

2.– संस्थागत स्तर पर लेखा सम्बन्धित सुधार एवं बहुत से नये नियमो को जानने का मोका मिला है।

3– संस्थागत स्तर पर भ्त् च्वसपबलए ळमदकमत च्वसपबलए थ्पगमक ेमजे चवसपबल तैयार की गई साथ ही उनको लागू किया गया।

-Change in Planning System: YES/NO. If yes, please describe [Yes]

1– संस्थागत स्तर पर च्संददपदह ैलेजमउ मे सुधार हुआ है ग्राम स्तर पर लोगो की आवश्यकता और उनकी भागीदारी भी नजर आई मिल कर होता है काम।

2– संस्थागत स्तर पर कार्ययोजना के अनुसार काम करना शुरू हो गया हैं।

- Change in Staffing Pattern: YES/NO. If yes, please describe [Yes]

1– संस्थागत स्तर पर पदाधिकारीयो का परियोजना के साथ काम करने से उनका क्षमता बर्धन हुआ है। साथ परियोजना के साथ मिलकर काम करने से अलग–अलग पहलूओ को जानने को मैका मिला है जिससे कार्यकर्ताओ की विषय के प्रति समझ विकसित हुआ है। जिसके परिणाम स्वरूप कार्यो को और बहेतर तरीके से किया जा रहा है।

- Change in other issues related to organization: YES/NO. If yes, please describe [YES]

1– Account System मे सुधार हुआ है। 2–Reporting System मे सुधार हुआ है।

3– Planing System मे सुधार हुआ है साथ 4– लोगो ने भी कार्ययोजना मे अपनी सहभागिता और सही कार्ययोजना तैयार करने की तरीको के बारे मे जाना।

2. OUTCOME AND IMPACT

2.1. Which is the agreed upon objective of the project and its indicators:

Project Objective:

Empower the tribals Dalits/Marginalized and Women to increase uptake and access to rights and entitlements for livelihood and food security through collective action, advocacy and networking.

Outcome indicator:-

- 25 % increase in crop production of farmers and income of ST/SC and vulnerable groups.
- 60% women trained from CBOs/ Pos to claim right
- 75% increase in accessing 100 day employment by target group from MNREGA
- 75 % BPL families access food entitlements and others supports in time as per norms
- 60% increase in representation from ST/SC/ Women in PRI and other local institutions

2.2 To what extent could the project objective be achieved? Please report by using the agreed upon indicators. Please, refer to indicators differentiated by sex or with a gender dimension, too. Indicator 1: SC/ST/Vulnerable families report about 25% increase in income

Agreed upon (Income)		**Previously reported**		**During period**		**Total to date**	
ST/SC/VL	25 % in-	ST- 82	ST- 75550	ST – 4	ST- 25300	ST- 90	ST- 90250

	crease	SC – 90	SC- 82200	SC - 1	SC- 3900	SC - 83	SC- 70500
Total -		T – 172	157700	T- 5	T- 29200	T-17 3	T-160750

Narrative: (writes 3 lines of during period)

इसके अन्तर्गत 21 लोगो को परियोजना के हस्ताक्षेप से उनकी मासिक आय अतिरिक्त आय वृद्धि हुई है। जिसमे लोगो द्वारा हाट बजार मे दकाने लगाई गई स्वयं संचालित रोजागर आदि।

Indicator 2: 75% increase in eligible households among the target groups accessing 100 days of employment under NREGA

Agreed upon (NREGA)		Previously reported		During period		Total to date	
76% HH	6-15 Days	579	7-8 Days	24	7-8 Days	603	7-8 Days

Narrative: (writes 3 lines of during period)

मनरेगा के अन्तर्गत 188 परिवारो ने काम के लिए आवेदन किये थे। जिनमे से 155 परिवारो को मनरेगा का काम मिला। जिनमे कुल 1860 दिन कार्य किया गया जिसका 323640 रूपये की मजदुरी प्राप्त हुई।

Indicator 3: 75% Gram Sabha have developed micro plan/ village plan with participation of the target group.

Agreed upon (micro plan)		Previously reported		During period		Total to date	
75 % GS-microplan	Participation M/F	21 GS micro plan	367 M/- 182 F/- =T- 549	11 GS Micro Plan	172M/- 111 F = T - 288	25 GS Micro Plan	532 M/- 305 F/- T- 837/-

Narrative: (writes 3 lines of during period)

ग्राम विकास मे जन समुदाय के संधन भागेदारी के उद्द्वेष्य से ग्राम परापटी बगा बरद्धहा, पिपैराकला, कुर्रा, अतरार, बसाटा, रनगुवा, कदवा, पिपैराखुर्द मे माईक्रो प्लान तैयार किया गया। जिसमे 21 काम (6 हैण्डपम्प सुधराये, 5 आर0 सी0 सी0 रोड, मेड बंधन 5 निर्माण, 03 कपिलधारा कुआ, 2 शौचालय निर्माण, 310 आगनवाडी केन्द्र निर्माण कार्य 1

Indicator 4: 60% representation increase of women and members of marginalised communities in PRI and other local institutions:-

Agreed upon (local institution)		Previously reported	During period	Total to date
PRI, Other	60 % Participation M/F			
ग्राम पंचायत	-	M- 60 F- 45 T- 105	M- 150 F-120 T- 270	M-210 F-165 T- 375
ग्राम निगरानी समिति	-	M- 135 F- 75 T- 210	M- 225 F- 150 T-375	M- 360 F-225 T- 585
ग्राम स्वास्थ्य एवं तदर्थ समिति	-	M- 75 F- 30 T- 105	M- 90 F- 45 T- 135	M- 165 F-75 T- 240
आगनवाडी	-	M- 0 F- 375 T- 375	M- 0 F- 450 T- 450	M- 0 F- 900 T- 900
आशा	-	M- 150 F- 230 T- 380	M- 225 F- 255 T- 480	M- 375 F- 485 T- 860

Narrative: (writes 3 lines)

ग्राम स्तर पर स्थानीय संस्थाओ और पंचायत अधिकारीयो का पूरा सहयोग मिलता है साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम मे भी अपना लोगो की पूर्ण भागेदारी होती है जिसमें आषा आगंनवाडी कार्यकता समिति सदस्य पंचायत सदस्य स्थानीय लोग के माध्यम से कार्यक्रमो का संचालन किया जाता है।

2.3 What other observations did you make? Please mention anything that may benlightening for

the progress of the project. Provide case stories if any in the annexure

1. ग्राम स्तर पर गठित समूह एवं मण्डल गठित होने से और भी दूसरे लोग परियोजना के जुडकर काम करने के लिए आगे आये है।

2. संस्थागत प्रयास से माईक्रोप्लान के माध्यम से ग्राम स्तर पर जो काम कराये गये उससे लोगो के साथ मिलकर काम करने अच्छे से और ज्यादा काम करने का आत्म विष्वास बढा है।

3. लक्ष्य समुदाय के लोगो को शासकीय योजनओ के बारे मे जानकारी हुई है जिससे अब लोग योजना अन्तर्गत जुडने के लिए स्वयं आगे आकर आपने आवेदन प्रक्रिया मे भागेदारी लेने लगे है।

4. जेण्डर और समान्ता को लेकर लगातार प्रयास करने से इस बार परियोजनाओ मे महिला भागेदारी पहले की अपेक्षा इस बार से बढने लगी है।

5. परियोजना द्वारा नये मुद्दो पर काम करने से संस्था पदाधिकारीयो को भी समझ बनी है और नये मुद्दो को लेकर काम करने का मैका मिला है।

2.4 In case that you observed any direct negative outcome, please describe.

परियोजना अन्तर्गत अधिकार आधारित काम करने से सरपंच और सचिवो के बीच एक नकारात्मक सोच भी आई है। अभी मनरेगा श्रम बजट तैयार होने एवं सरपंच सचिव को बैठक मे बुलाने से बहुत सी विवादित बाते निकलकर आई साथ ही बहुत सी पंचायतो मे सरपंचो द्वारा पंचायत का डाटा न देने पर आर.टी.आई एवं प्रषासनिक तोर पर कार्यवाही करने से जन प्रति. निधियो की सोच लोगो के प्रति नकारात्मक हो रही है।

2.5 Could any impact (positive or negative) be observed in the wider context of the project that might be related to the project interventions? Do those observed facts contribute to achiev ing the development goal?

2.6 Which methods did you use for assessing outcome and impact?

1–**सर्वे**– इसमे परियोजना अन्तर्गत किये गये कार्यो के प्रभावो को लेकर एक प्रपत्र तैयार किया गया। प्रपत्र के माध्यम से 10 ग्रामो मे लक्ष्य समुदाय जिनके साथ काम किया जा रहा है उनका सर्वे किया गया।

2–**फोलोअप मीटिंग**–ग्राम स्तर पर किये जाने वाले ऐसे कार्य जो लोगो से सीधे रूप से जुडे हुए है या फिर वे लाभार्थी जिन्हे स्वरोजगार उपलब्ध कराया गया है उन लोगो का लगातार फोलोअप के माध्यम से परियोजना के प्रभावो को जानने का प्रयास किया गया।

3– **मीटिंग**–ग्राम स्तर पर लगातार मीटिंगो और सम्पर्क के माध्यम से दी गई जानकारीयो का उपयोग एवं उनके व्यक्तिगत जीवन मे उपयोग से भी परियोजना के प्रभाव एवं संचालन के बारे मे जानकारी ली गई।

S.N.	Activity	Planned			Achieved		
		Output	Expected Impact	Finan-cial Outlay	Output	Impact	Actual expense
1	**LIVELY HOOD AND FOOD SECURITY INITIAVES**						
1.1	Coordination meeting of vegetable cultivation Benificiary	03 Meeting 30 farmers (10M,20F) 03 village **CONTEPNT** 1- To discuss on importance use of vegetable	10 families will do better farm management. 10 families will generate additional income.	2313	11 महिला 24 पुरुषो कुल 35 लोगो ने सहभागिता की। लोगो द्धारा लगाये गये पोधो व सवजी के वारे मे पुछा गया	14 परिवारो ने माना की वर्षा न हाने के कारण सुखा गया सव कुछ लेगो को पीने के लिए नही है पानी। सुखा पडने से लोग दाने दाने को परेषान रोगजार व रोटी के लिए मागं रहे मदद।	2310
1.2	Follows up visit to the NEDEP pits	10 meeting 60 farmes (30M, 30F) 10 village CONCEP 1-To discuss on importanceand use to NEDEEP 2- To tack care of NADEEP responsibility . 3- To give the information of personal NADEEP and its mantinance .	10 Farmers shall use organic compost. Increase the knowledge of 30 farmers.	-	55 किसानो ने नाडेप के महत्व एवं उपयोगिता को जाना साथ ही बनाऐ गये नाडेप को देखकर अपने खेतो मे व्यक्तिगत नाडेप निर्माण के लिए स्वीकृति दी। जैविक खाद् के वारे मे जाना जैविक खाद् का उपयोग व महत्व को समझ सके।	10 किसानो ने आधा एकड जमीन पर जैविक खाद् का उपयोग कर रहे है। 02 किसानो ने अपने खेतो पर व्यक्तिग नाडेप वना कर जैवकि कुर्षी लिए खादृय तैयार करने का कार्य चालू कर दिया है।	-
1.3	Cordination Meeting Of Seed Banks Beneficiary	3 Meeting 60 SHG & CBO Members 3 villages -Status of seed banks. 2-Discuss Maintenance. 3-The discussion of seed Bank Committee member. 4 Discuss a collection of seed. 5- Discuss on seeds. 6-Seed bank operations to decide rules. 7- Next planning	**मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें 45 प्रतिभागियो ने सहभागिता की और बीज बैक की सििति को जाना ।**		3 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें बीज बैक की समस्या तथा सूखा के कारण लोगो के जीवन पर किस तरह से प्रभाव पडा पर चर्चा की गई।	45 महिलाओ ने सूखा से हुये नुक्षान व बीज बैक द्धारा लोगो को दीये गये राह पर चर्चा की वही आने वाले समय पर पुनः बीज बैक एक्त्र किया जाये और समितियो को विस्तार दिया जाये पर जोंर दिया गया।	
1.4	Workshop on land bill	**1श्कार्यशाला 50 प्रतिभागी 20 महिला 30 पुरुष 3 ग्राम बगा, जैतूपुरा, कुर्रो**	**लोगो को मुआवजा व विस्थापन की वास्तविक स्थिति से अवतग करना।**	18000	70 महिला/पुरुषो को मुआवजा की स्थिति से अवगत कराया लोगो से वास्तविक स्थिति का अधयन किया और बंचति लोगो को मुआवजा मिल सके	22 महिला 68 पुरुषो ने कार्यक्रम मे सहभागिता की जिसमें 25 लोगो को मुआवजा मिले इसके लिए कार्य किया गया व जिला कलेक्टर को आवेदन दिया गया।	15683

					इसके लिए रणनीती तय की गई।		

4-PLANNED AND ACHIEVED RESULTS

2	Perspective Building and Institutional Strengthening						
2.1	Operational Meeting of fedretion / pos	02 10M) Meeting will be held 20 Participants are the parts of federation .(10F Partipants of village -1 Kadwa CONTENT 1- To discuss the importance and need of the federation . 3- Next Planning of working	Federation Will meet the NRGA /PDS-supervisor Block and Dist 50 Job Card Holder	-	फेडरेषन को को और अधिक सषक्त किया जाये व महिलाओ की भागेदारी बढे इसके लिए जोर दिया गया। महिलाऐ भी संगठन मे आगे आये व नेर्त्वव की भुमिका निभा सके इस पर जो दिया गया।	2 ग्रामो मे महिलाओ की संख्या बढी है। जिसमे 40 महिलाओ की एक कमेटी का गठन किया गया महिला लिडर को और सषक्त किया गया जिसमे महिलओ की क्षमता वर्धन किया गया।	-
2.3	NREGA Group Promotion Meeting	3meeting 60 participants 3 village M 30 F 30 <u>**Content of discussion**</u> **1-** To discuss under NREGA about Job demand, Facilities for workers, Wage. **2-** To discuss saving of NREGA group. Fill up form for job demand and wage.	60 Workers include in planning job demand. 20 workers got wages	13895	**03 ग्राम 03 मीटिंग का आयोजन किया गया।** नरेगा गुप को संगठित किया गया साथ ही 03 नये नरेगा समेहों का गठन किया गया।	3 नये नरेगा समूहो का गठन किया गया जिसमें 45 लोग षामिल है मरनेगा समूहो को फेडरेषन से जोडा गया 36 लोगो को काम दिलाया गया।	13890
3	**Collective Action & Advocacy**						
3.1	Collective action through BBAM Regional Network	1 workshop 20 participants M 15 F 5 3 dist. - Discuss the organization of the network. - Post election officers. -Preparation of concrete strategy.	1 मिटिग 20 सहभागी फेडरेषन व लिडर की भुमिका का चयन। स्थानीय स्वंय सेवी संस्थाओ की भुमिकाष	12500	1 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें 4 महिला व 16 पुरुषो ने षामिल हुये स्तीनीय स्वंय सेवी संस्थाओ की भुमिका तक की गई।	1 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें 4 महिला व 16 पुरुषो ने षामिल हुये स्वंय सेवी संस्थाओ की भुमिका तक की गई। व एकता विकास मंच लिडर की भुमिका तय की गई	12500
3.2	Dialogue With Media on policy – MNREGS, RTI, FRA, PDS	1 meeting 30 participants 15 village M15 F 15 <u>**Gov.**</u> Schemes. - Application -Process.. -Evaluation process.	1 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें 22 लोगो की सहभागिता रही ।ष	2000	एकता विकास मंच लिडर व स्थानीय लोगो ने अपनी ग्रामीण स्तर की समस्याओ प्रषासन के सामने रखा जिसमे कुल 22 लोगो षमिल हुयें।	कुल 22 लोगो की सहभागिता रही जिसमें 8 महिला 14 पुरुष लिडर ने अपनी समस्याओ को मिडिया के सामने रखा जिसमे सुखा राहत मे हुई गडबडियो की वात कही राषन व्यवस्था मे हो रही समस्याओ के अल. ावासुखा राहत मे गडबडी की वात ही व मिडिया ने उन मुद्धो को प्रषासन के सामने लाने की वात कही।	1950
3.3	Campaign on social audit process	1 Campaign 100 participants 15 village **CONTENT-** Understand the role & responsibilities of Ration distributor and Villagers.	**15 पंचायतो मे जागरुकता अभियान चलाया गया जिसमें कुल जिसमे लोगो समाजिक अकेशक्ष के वारे मे वताया गया।**	10000	**01 कार्यक्रम 210 प्रतिभागी 15 पंचायतो मे चलाया गया। जिसमे समाजिक अंकेक्षण के महत्व एवं उपयोगिता को वताया गया।**	**210 लोगो को समाजिक अंकेक्षण के प्रति समझ विकसित हुई साथ ही लोगो ने आगामी समय मे होने वाले समाजिक अंकेक्षण मे भागेदारी करने की बात कही व लोग शामिल हुये।**	10010

3.4	Coordination meeting with government agencies on Programme/ Schemes	1 meetings 30 participants 17 villages M 10 F 20 **CONTENT** **1-** To discuss in Agriculture, Horticulture schemes. To discuss the problem of villagers and consult process of linkage schemes	1 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें ऐता विकास मंच के अलवा ग्राम के अन्य लोगो की सहभागति रही।	500	ब्लाक के जिम्मेदार अधिकारीयो को ग्राम स्तर पर किये जा रहे कार्यो के बारे मे बताया साथ ही सुखा राहत मे किस तरह से सहयोग मिल सकता है पर चर्चा की गई।	1– ग्राम की समस्याओ को प्रषासन के सामने रखा गया। 2– कियानो के बीज सोसायटी रहजस्टेषन पर चर्चा की गई। किये गये।	500
3.5	Coordination planning & Review Meeting of local CSO Network	2 meeting 60 participants 17 village M 15 15 F **CONTENT** **1-** To discuss the problems of PDS and Food security. **2-** To discuss how to be solved. Next planning.	2 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमे लोगो ने अपनी वात को रखा और लोगो ने अपनी जिम्मेदारी तय करने की वात कही।	9906	ग्राम स्तर पर तय मद्दो पर आगामी रणनीति तैयार की गई।	1– उकता विकास मंच मे लोगो की भागेदारी गढी 2– राषन व्यवस्था मे सुधार हुआ 3– सुखा राहत का वितण हो सका।	9906
3.6	Facilitation of job demand application NREGA (NB)	3 meeting 200 participants 17 village M 10 0 F 100 **CONTENT** 1- To discuss the importance and needs of group. To discuss how to work and how to linkage schemes.	15 ग्रामो मे मनरेगा को लेकर मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें लोगो को काम मिले इसके लिए जोर दिया गया।	-	135 मीटिंग का आयोजन किया गया। मनरेगा समूह को काम मिले इसके लिए आवेदन कराये गये जिसमें 55 परिवारो को काम मिला।	55 परिवारो को ओषतन 10 से 15 दिन का काम मिला। मनरेगा समूह और सषक्त हुये वही लोगो को और अधकि काम मिले इसके लिए रणनीती तय की गई।	-
3.7	Public Hearing on Gov.	1 meeting 50 participants 17 village M 25 F25 **Content of discuss-** PDS/ Social Security Schemes NREGA/sukha	1 मिटिग 47 लोगो की सहभागिता प्रषासन को आवेदन दिये गये।लोगो ने कलेक्टर से वात की।	4000	**ग्राम बगा के 47 लोगो ने जिला कलेक्टर से सुखा राहत का पैसान नही मिलने की शिकायत की । योजनाओ के सही कियान्वयन पर चर्चा कर शिकायत दर्ज कराई प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द हल कराने का अश्वा. सन दिया गया।**	**ग्राम के 52 परिवारो को मुआवजा मिला राशन व्यवस्था मे सुधार हुआ गया है। प्रति परिवार 2 से3 लाख रुपये दिया गया ।**	4050
3.8	Federation/CBOs Conveyantion	1 workshop 100 participants 17 illage M 50 F 50 18 **Content of discuss** 1-Discuss the importance and need of the Federation. 2-To discuss the purpose of Federation. 3-Selection of the works whose doing through federation . 4- Next Planning of working nAnd cbo"s	1 कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे 80 लोगो की सहभागिता रही	10527	बुन्देलखण्ड एकता विकास मंच के सभी सदस्यो की भुमिका तक की गई लोगो को मंच की वाषिक गतिविधकयो के अवगत कराया गया।	80 लोगो ने सहभागिता की जिसमें 39 महिला व 41 पुरुष षामिल हुये।5 मुद्धो को चिहिन्त कर कार्य करने पर सहमति वनी नई कार्यकारणी का गठन किया गया।	10500

3.9	Staff Training and Exposer	–1 भ्रमण – 2 दिवसीय – 6 सदस्य **Content :** 6 कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्वि होगी।– नये अनुभवों पर समझ बनेगी।	1 कार्यक्रम का आयोजन भोपपल मे किया गया जिसमे संस्था कार्यकर्ताओ ने सहभागिता की।	25000	संस्था द्वारा 5 लोगो की सहभागिता रही जिसमें कार्यक्रम मे लोगोका क्षमता बंर्धन हुआ।	आगमी समय संचालित होने वाले कार्य मे उनकी समझ वनी और कार्य षैली मे सुधार हुआ।	29524
4	**Gender mainstreaming**						
4.1	Tracking of PDS and MDM and 0 to 6 year children [New Activity] [NB]	6 meeting 100 participants 6 villagesM 50 F 50**Content of discuss-** 1- To give the inform tion of PDS / MDM Rules Process, 2- Data Collection. 3- To take the information irre-gulation	6 ग्रामो मे मिटिग का आयोजन किया गया। जिसमे 3हायसेक्डरी / मिडिल स्कुलो को चिहिन्त कर कार्य किया गया।	-	06 मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमे मध्यान्ह भोजन की वास्तिविक स्थिति का पता लगाया गया।	248 बच्चो से मध्यान्ह भोजन वितरण व्यवस्था पर चर्चा की गई जिसमे व्यवस्था मे सुधार की वात कही	-
42.	Training of Women leadership building	1 Meetings 25 participants 5 villages M 10 F 15	1 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओ ने अपने अधिकारो की लडाई लडने के लिए सगंठित होकर कार्य करने पर जोर दिया।	4000	लक्ष्य समुदाय की महिलाओ के अपने अधिकारो के प्रति जिम्मेदार करने का प्रयास किया गया। महिला नितीयो के तहत कार्य करने और अपने अधिकारो का हनन न होने के लिए संगठित होकर कार्य करने पर चर्चा की गई। महिला आरक्षण अगर मिला है तो पुरा हक मिले व षत प्रतिषत भागेदारी तय करने पर जोर दिया गया।	35 महिला समूह सदस्यो को महिला कानून की समझ वनी साथ ही महिलाओ ने अपने अधिकारो के लिए कदम उठाना प्रारम्भ कर दिया है। सगंठन मे महिलाओ की भुमिका वढ रही है। महिलाऐ आगे आ कर अपनी समस्याओ से जिला प्रषासन व मिडिया से वात कर रही है।	3845
4.3	Workshop on NRHM and itsprovi-sion on access to health	1workshop 70 participants 17 village M 35 F 35 **CONTENT-** 1- To give the Information of NRHM provision and Facility. 2- Janani Suraksha Yojana. 3- Malnutrition. 4- A.N.C./P.N.C. 5- Importance of Asha and his work.	1 मिटिग का आयोजन किया गया जिसमे राष्टीय स्वास्थ्य मिषन के कार्यक्रम पर चर्चा की गई।	5000	लक्ष्य समुदय को एन0आर0एच0एम0 के बारे मे जानकारी मिली और समझ विकसित हुई।	55 लोगो की सहभागिता रही जिसमे 26 महिला व 29 पुरुष कौन कौन सी स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही के वारे में समझ वनी। नये खादय सुरखा मे म- हलओ को कोन कोन सी सुविधा दी जा रही है पर जानकारी दी गई विषेष टीकाकरण अभियान मे जुड कर लोगो को लाभ दिलाये व बच्चो को टीकाकरण हो सके इसके लिए पुर्ण कोषिस करे पर जोर दिया गया।	5000
4.4	Block level Women Convection	1 campaign 100 participants 17 village	वर्षिक महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें जिला महिलाओ ने अपने अपने विचार रखे और लोगो को समानता लाने पर जोर दिया गया।	13179	**महिलाओ ने अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व और अपने अपने अधिकारो के बारे मे जाना। महिलाओ की संगठन के साथ जुडकर कार्य करने को लेकर समझ बनी ।**	**76 ग्रामीण महिलाओ ने अपने अधिकारो के बारे मे जाना** **महिलाओ की सगंठन के प्रति सोच मे बदल- ाव आया। महिलाओ ने इस अवसर पर अपने अनूभ- ाव वताये व भोपाल के कार्यक्रम की चर्चा की। सुखा की मार से ग्रस्त समस्याओ को गम्भीरता से लोगो के सामने** j[kkA	13199.75

4.5	Legal aid camp on Domestic violence	1 Camps 75 participants 17 village M 25 F 50 **CONTENT** 1- To discuss rules and laws of domestic violence. 2- To give information of domestic violence through poster and pump let. 3- To discuss woman security bill.	मिटिग के माध्यम से महिलाओ ने जाने कानून व अपने अधिकार	7000	सगंठन की महिलओ ने घरेलू हिंसा अधिनियम (2005) और सामाजिक लिंगभेद के प्रति समझ स्पष्ट हुई। बुनदेल खण्ड एकता विकास मंच केवारे मे विस्तार से जाना बारे मे जानकारी ।	लक्ष्य समूह की 65 महिला सदस्यो ने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और महिला नीतियो के वारे में जाना। —महिलाओ ने खादय सुरक्षा कानून 2013 मे अपनी भुमिका तय की साथ ही योजना को समझा । साथ ही सगंठित होकर अपने अधिकारो के अलवा बडे मुद्धो को लेकर जिला व ब्लाक स्तर पर प्रषासन के सामने रखी अपनी वात।	6879
4.6	women violence mitigation Campaign	—1 कार्यषाला —100 महिलायें — 15 गांव **Content :**—महिलाओं की कानून के प्रति समझ बनेगी। विभिन्न षासकीय योजनाओं से महिलायें लाभान्वित होंगी।	1 मिटिग का आयेजन किया गया दिनांक 26/12/2016 को किया गया ।	20000	75 लोगो ने सहभागिता की जिसमें महिलाओ को कुपोषण व टीककारण तथा खादृय सुरक्षा योजनाओ के वारे मे वताया गया ।	38 महिला 36 पुरुषो ने कार्यक्रम मे सहभागिता की और खादृय सुरक्षा कानून के तहत दी जाने वाली सुविधाओ को जाना वही कुपोषण पर महिला की समझ विकसित हुई	20000
5	**Study Research Documentation and Publication**						
5.1	Study on impact of PDS on food security	1 Study 150 sample size 15 Village	ग्राम मे योजना की वास्तविक स्थिति का आकलन करना	7029	465 परिवारो से सीधी जुड कर की योजना की वात।	165 परिवारो मे 575 लोगो से सीधी चर्चा की गई योजना का आकलन किया गया। खादृय सुरक्षा कानून 2013 की नही है लोगो को जानकारी । पत्र लोगो को नही मिल पा रही पर्चा ।	7000.00

5. OWN MEANS LOCAL CONTRIBUTION (Give summary of resources mobilized with

संचालित कार्यक्रमो के दैारान ग्रामवासियो ने भी अपना पूरा सहयोग दिया ओर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उन्होने अपनी तरफ से बैठक व्यवस्था, चाय, नास्ता एवं कही कही भोजन व अन्य व्यवस्थाऐ की। जो उस समय आवष्यक थी जिससे कार्यक्रम को सफलता पूर्वक पूरा किया गया ओर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लोगो ने पूर्ण रूप से सहयोग दिया अगर हम राषी के रूप मे देखे तो हम उस व्यवस्था को संस्था द्वारा उपलब्ध कराते तो इतनी **15620** राषी की आवष्यकता पडती जो ग्रामवासियो ने अपने सहयोग से उपलब्ध कराई।

CHANGES AND DEVIATION – Justify with reasons

7. CHALLENGES AND LEARNINGS

-What was difficult while working to reach results?

1—बुन्देलखण्ड मे काम करने मे सबसे बडी समस्या ग्रामो सामंान्त शाही का होना वही पात्र लोगो को शासकीय एवं अशासकीय योजनाओ का लाभ न मिलना। ग्राम स्तर पर उनकी स्वीकृति के अनुसार नियमो के तहत जन समुदाय के लिए कार्य कराना अपने आप मे एक चुनैती है।

- What are the lessons learned ?

1—ग्राम स्तर पर लोगो को जोडने के साथ—साथ हमे विभिन्न विभागो एवं उनके नियम प्रवधानो को भी जानने का मोका मिला परियोजना के साथ अलग—अलग स्तर कार्य करने और बहुत से मुद्दो को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

2—इसी तरह अगर संस्थागत स्तर पर देखे तो परियोजना के साथ काम करके दस्तावेजीकरण एवं कार्ययोजना तैयार कर रणनीति के अनुसार काम करना सीखा। साथ ही संस्था का दस्तावेजीकरण व वित्रलेखा भी मजबुत हुआ।

- Stories of change (NO.5

<u>ग्रामीण जन को मिलने लगा पानी</u>

ग्राम —वरा

पंचायत —कुर्रा परिवार कुल परिवर 105 जनसख्या 420 **समस्या** —देनिक जीवन के लिए नही मिल पा रहा पानी।

आभार महिला समिति विगत वर्षो से ग्राम पंचायत कुर्रा मे मे कार्य कर रही है जिसके फल स्वरुप ग्राम से जुडे अन्य छोटे छोटे मझले पुरवा मे भी कार्य का प्रभाव देखा जाता है और लोगो ने वताया की ग्राम मे लोगो को देनिक जीवन के उपयोग के लिए पानी की समस्या है क्योकि इस वार सुखा है और वर्षा नही हुई है जिस कारण ग्रामीण जनसमुदाय के साथ पालतू जानवर भी पानी के लिए परेषान है इसके लिए व्यवस्था की जाये। लोगो ने वताया कि ग्राम मे एक छोटी सी नदी है जिसमे घीरे घीरे पानी वहता है अगर उस पर कुछ कार्य किया जाये तो लोगो को काफी समस्या हल हो जायगी।

संस्था के सार्थियो द्वारा इसको लेकर चर्चा कि गई कार्य स्थल को देखा गया और तय किया गया कि जो हमारे ग्राम मे किसान मण्डल और नरेगा समूह है उनके सहयोग से नदी पर वोरी बधानं किया जाये और पानी को रोकने का प्रयास किया जाये।

संस्था व ग्राम मे गठित समूहो के 36 महिला 45 पुरुष 81 लोगो ने सहयोग किया जिसमे 150 वोरी का नदी पर बंधान कार्य किया गया जिससे आज ग्रामीण लोगो को पर्याप्त पानी उपल्बध हो रहा है। जिसके लिए संस्था द्वारा सभी परिवारो को कपडे बेग वितरण किये गये इस अवसर पर ब्लाक समन्वयक श्री ब्रजेन्द्र जडिया जी भारतीय जनता पाटी के उपाघ्यक्ष दुवे जी के अलवा गाम सरपंच सचिव मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

<u>मुआवजा के लिए महिलाओ ने किया प्रर्दषन</u>

ग्राम –बगा /पंचायत–बरद्धाहा कुल परिवार 50 जनसख्या 120

आभार महिला समिति छतरपुर विगत वर्षो से ग्राम पंचायत बरद्धाहा मे कार्य कर रही है जिसमे ग्राम बगा भी आता है ग्राम बगा जो की मूल रुप से आदवासी ग्राम है और यहा पर लगभग 100 आदवासी परिवार निवास करते है। जहा पर संस्था द्धारा नरेगा /किसान समितियो का गठन किया गया है। यहा पर षासन द्धारा तडपेड बांध का निमाण कराया गया जिसके लि लोगो को विस्थापित किया जा रहा है। और कुछ परिवारो को विस्थापित कर दिया गया है। जिसमें ग्राम के लोगो की खेती के साथ मकान डूव क्षेत्र मे होने के कारण लोगो को हटाया जा रहा है। षासन द्धारा लोगो को कहा गया था कि आपको मकान के बदले मकान दियाा जायेगा पर ऐसा नही किया गया और और कुछ लोगो को मकान के बदले प्टॉल एक एक कमरा वना कर दिया जा रहा है। लेकिन कुछ ऐसे भी है जिन्हे कुछ भी नही मिला जिन्हे मुआवजा दिया जा रहा है वह भी 3000 से 5000 हजार रुपयें जवकी विस्थान से पहले बडे बडे वादे किये गये थे पर आज षासन वहाने कर रहर है और अधिकार सुन नही रहे। ाि्स्थापन परिवारो के सर्वे मे धांधली की गई और आज लोगो को सोने के लिए आसरा नही मिल पा रहा ।

जिसके लिए संस्था द्धारा प्रभावित परिवारो के साथ बेठक की गई सर्वे किया गया और वन अधिकार पर कार्यक्रम किया गया और लोगो को अपनी मागं प्रषासन के सामने रखने के लिए प्ररित किया गया कि हम लोगो जिला कलेक्टर को आवेदन देते है कि प्रभातिव परिवारो का सर्वे पुनः सर्वे किया जाये और मुआवजा दिलाया जाये। ग्राम के मुन्ना आदिवासी मातादीन भूरा परम भज्जू लल्लू ग्यासी रामप्यारी मोहन आदिवासी को मुआवजा नही दिया गया है नही इनका सर्वे किया गया है इन परिवारो का सर्वे किया जाये साथ ही उनको मुआवजा के साथ मकान दिलया जाये को लेकर प्रर्दषन किया गया और सर्वे कराने की मांग षासन द्धारा की गई।

जिसमे सरपंच मीना यादव लललू सतोष धनीराम जज्गू रामदास फुलचंद परसू रही आलम भूरा किषोरी हरोगाव्दि प्रीतम मुन्नाजगदीष सोहन ग्यासी रामलखन सहित गई अन्य सदस्य षामिल हुये

राषन काला बजारी के खिलाफ हुआ प्रर्दषन

ग्राम– कदवा/पंचायत–कदवा **समस्या–** लोगो को नही मिल पा रहा पुरा राषन

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा ग्राम कदवा मे कार्य किया जा रहा है जिसमें ग्राम कदवा मे महिला समूह किसान समूह नरेगा समूह के साथ अनाज बैक कि स्थान कि गई है लोगो ने वताया कि ग्राम मे पात्र परिवारो को भी राषन हर माह नही मिलता साथ ही लोगो को पुरा राषन नही दिया जाता जिससे ग्राम के लोग परेषान है जो सभी फेडरेषन के सदस्य है

ग्राम मे सभी समिति सदस्यो द्धारा मिटिग की गई और तय किया गया कि हम बुन्देलखण्ड एकता विकास मंच के अन्य और साथियो को अपने साथ जोड कर इस समस्या को हल करने के लिए तैयार करते है और एक रणनीति के तहत कार्य किया गया जिसमें तय किया गया कि सभी साथी जिला कलेक्टर को षिकायत करते है और राषन मे हो रही काला बजारी के खिलाफ आबाज उटायेगे और सभी ने मिल कर जिला कलेक्टर को से मिल कर राषन मे हो रही कालाबजारी की षिकायत की जिसमें कलेक्टर ने आवषासन दिया कि हम जल्द ही इस समस्या के खिलाफ कार्यवाही कर लोगो को जल्द ही समस्या का समाधान किया जायेगा।

षिकायतकर्ता– बब्लू अहिवार देवेन्द मंगलदीन अर्जन अहिवार कमलेष यादव सुरेष वर्मा सरमन आदि।

21 परिवरो के वनाये बी.पी.एल. कार्ड।

ग्राम – अंतरार – पंचायत– अतंरार– परिवार संख्या –765

समस्या–पात्र लोगो के पास नही है राषन कार्ड

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ग्राम अंतरार मे कार्य किया जा रहा है जिसमें महिला समूह किसान समूह नरेगा समूह के साथ अनाज बैक कि स्थान कि गई है लोगो ने वताया कि ग्राम मे पात्र परिवारो के पास भी बी.पी.एल. के राषन कार्ड नही है और लोगो को राषन नही मिल पाता है जिसके कारण इन परिवारो को राषन के लिए परेषान होना पडता है। जिसकी षिकयत कई वार की गई आवेदन दिये गये पर राषन कार्ड नही मिल पा साहव ।

संस्था द्वारा तय किया गया कि अव जब तक राषन कार्ड वन नही जाते हम लोग तहसील से नही आयेगे और राषन कार्ड वना कर ही हटेगे जिस पर लोगो ने तहसीलदार से सर्म्पक किया और चर्चा की और वताया कि 6 माह हो गये अभी तक हमारे राषन कार्ड नही वने तहसीलदार विनय द्विवेदी ने कहा की हम आज ही आपकी जानकरी मगांकर आपको राषन कार्ड दिला देतें है और इस तरह से 21 परिवरो के वनाये बी.पी.एल. कार्ड।

जानकी अहिवार, चुना आदिवी, गोरे लाल, सरमन, षिला काषी वाई रामवती ललती राजकुमारी आदि।

8. CONCLUSION

इस कार्यक्रम के माध्यम से लक्ष्य समुदाय के लोगो मे जन जागरुकता के साथसजगता आई लोगो द्वारा अपने काम को करने के लिए उत्सुकता और एक सहयोगात्मक भावना से आगे बड कर कार्य करने के साथ समाज के भिन्न मुदो पर मिल एक साथ एक वेनर मे कार्य करने पर लोगो की सहमति वनी है। अपने अधिकारो के लिए काम करने मे किये गये प्रयास ही इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन को प्रदर्षित करती है। अन्य परियोजना के अपेक्षा जन समुदाय के लोग संस्थागत स्तर पर जुडने के लिए तैयार हुए है साथ ही लोगो मे लगातार अलग–अलग मुद्दो पर चर्चा जानकारी बैठको और उनकी समस्याओ को हल कराने से एक सबसे बडी बात यह सामने आई है कि लोग अपनी समस्याओ को जिला स्तर पर रखने एवं अपने अधिकारो की बात करने लगे है। लोगो ने फेडरेषन के महत्व को जाना है साथ ही फेडरेषन के माध्यम से ही ग्राम का विकास किया जा सकता है। क्योकि कोई भी व्यक्ति अकेले विकास की लडाई नही लड सकता जिससे लोगो मे आत्म3विस्वास आया है।

परियोजना की विभिन्न गतिविधियो के माध्यम से ग्राम स्तर पर अलग–अलग पहलुओ को लेकर काम किया जा रहा है। वर्तम. ान समय मे मनरेगा अन्तर्गत लेबर बजट /सुखा पेय जल रोजगार समाजिक सुरक्षा जैसे विषय पर लोग अपनी बात पंचायत से जिला स्तर तक रखने लगे है लोगो की समझ विकसित हुई है। पंचायत मे भागेदारी मे बढी महिला एवं पुरूषो मे सामन्ता का भाव देखा जा सकता है महिलाओ मे महिला सरक्षण व कानूनी समझ एष्पट हो रही है। ग्राम विकास की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

ग्राम एवं जिला स्तर पर आयोजित गतिविधियां के माध्यम से महिलाओं की कार्यक्रम में सहभागिता बढी है। संस्था द्वारा लगातार ग्राम स्तर पर मीटिंग, बैठक, कार्यषाला, अभियान, षासकीय योजनाओ से जोडने के कारण लोगो के बीच सघंन जुडाव बना है जिससे संचालित कार्यक्रमो को सफल रूप से किया जा रहा है। वही फेडरेषन के माध्यम से एक नई दिषा देने का प्रयास किया जा रहा है।

LIVELY HOOD AND FOOD SECURITY-

1. COORDINATION MEETING VEGETABLE CULTIVATIONB BENEFICIARIES—

स्थान कदवा, अतरार, रनगुवॉ

दिनॉक - 05/10/2015 to 07/10/2015

उददे्ष्य- To improve the economic conditions. Communities Increase in vegetation cover.

कुल प्रतिभागी– 75 **म0–** 36 /**पु0**–39 **कुल कार्यक्रम सख्या**– 03

उद्द्वेष्य– समूहो /किचिन ग्रार्डन सदस्यो की स्थिति मे क्या बदलाव आया व कितना लाभ हो रहा ।

प्रक्रिया–ग्राम स्तर पर किसानो जो सब्जी लगाई गई थी या जो बीज दिया गया था उस लक्ष्य समुदाय के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें आज की क्या स्थिति है और समस्या पर चर्चा की गई।

आभार महिला समिति द्धारा ग्राम पिपैराखुर्द,रनगुवा, पिपोराकला मे किचिन गार्डन कराने के उद्द्वेष्य से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारम्भ परिचय सत्र के साथ विजय जी द्धारा किया गया जिसमे उन्होने कहा कि आप सभी लोग हमारी संस्था से विगत 9 वर्षा से जुडे है आैर लगातार संस्था द्धारा ग्राम समुदाय के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम मे आज की इस मीटिंग का आयोजन किया गया है। आज की मीटिंग का मुख्य उद्द्वेष्य ग्राम के ऐसे हितग्रहीयो से चर्चा करना है जो लोग पहले से ही कार्य करी रहे है या जिन्हे संस्था द्धारा पोधे उपलब्ध कराये गये थे। ताकी यह जाने सके की को किचिन गार्डन वरा लोगो के जीवन मे क्या वदलावा आय है या कोई समस्या है आदि।

समुदाय के लोगो ने वताया की हर वर्ष भाती सभी को किचिन गार्डन के लोगो को कुछ न कुछ फायदा तो होता ही है और हम लोगो को भी हुआ था जिसमें हमने आलू मिर्च धनिया पत्ती टमाटर व अन्य सवजीया का उत्पादन किया था और हमारी आय मे बढी थी यहा ममता के घर मे लोग पहले मजदुरी करते थे आज वह अपनी ही दुकान लगा कर कार्य कर रहे है जो संस्था की देन है पर इस वार भगवान की मार ऐसी पडी की पुरी खेती चोपट हो गई साथ ही पानी न गिरने से जो लाभ सवजी से होता था वह नही मिल सका।

ग्राम के 35 किसानो ने वताया की हमारे यहा पर थोडा पानी था जिसका लाभ हमे मिला और आज भी हमारी सवजी बिक रही है। जिसमें टमाटर भटा पालक मेथी जो प्रति हप्ता 20से 30 कि.लो निकल आती है। जिसमें प्रति बजार 500 से 1000 रुपयें की आय प्रति परिवार हो रही है जिससे हमारे परिवार का पालन हो रहा है पर सुखा से हम सभी परेषान है जिसके लिए आप कुछ प्रयास करे ताकी लोंगो को भोजन मिल सके और किसी विप्पति से बचा जा सके।

परिणाम– आज इन तीन ग्रामो मे 35 परिवार है जिन्होने किचनि र्गाडन का लाभ हुआ और उनके परिवार का गुजारा इसी **से** चल रहा है। और उनके जीवन मे बदलाव आ रहा है। आर्थिक स्थिति मे सुधार हो रहा है किसान प्रति परिवार प्रति सप्ताह 1000 रूपये की आय कर रहा है।

2. Follow up visit to NADEP Pits

स्थान– खैरो, पिपोराकला, गोची, कुर्रा, कुर्रा

दिनॉंक- 08.10-2015 to 17-10-2015

उददे्ष्य- नाडिप निर्माण व जैविक कुर्षी को बढावा देना।

चर्चा के बिन्दु– नाडेप का महत्व /जैकिव कृर्षी का बढावा नई तकनीक से खेती।

कुल प्रतिभागी– 55 **म0–** 12/**पु0**–43 **कुल कार्यक्रम सख्या**– 05

प्रकिया – समूहिक चर्चा व्यक्तिगत चर्चा व लोगो वरा किये गये जैविक कार्य से लोगो का अनूभव

प्रदीप जी ने चर्चा की और पुछा की अभी तक हम लोगो ने नाडिप जो तैयार किये थे उनको कुछ खादृय का उपयोग किया हे पर पुरा लाभ नही लिया पर अब हम लोगो को यह तो समझ मे आ गया है कि जैविक कृर्षी के लाभ तो है ही साथ ही कम लागत भी कम आती है इसका तो आप लोगो को अन्दाज हो गया है तो अव हम लोगो को इस वार तो सुखा की वबज से कोई फसल नही ले सके और हमारा काफी नुक्सान भी हुआ हैं पर आगे के लिए हम लोग जो तैयारी करे वह सोच समझ करे करे और उसके लिए हमे अभी से खादृय बीज की व्यवस्था करनी होगी तो पहले हम नाडिप के माध्यम से इसको पुरा करने का प्रयास करे उसके वाद आगे की रणनीति तैयार करेगे तो एक वार पुनः हम इस पर र्चा रके की नाडिप को किस तरह स वनाया जाता हैया उसकी खादृय कैसे तैयार होगी।

वर्मी कम्पोस्ट का महत्व बताते हुए सुरेष जी ने बताया कि आपके ग्राम मे वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण जैविक खेती का बढावा और फसल की पैदावार बढाने के उद्द्धेष्य से खाद् निर्माण के लिए कराया गया है। जिसके लिए सबसे ज्यादा आवाष्यक है कि आप इसके लिए छाया कि व्यवस्था करे क्योकि यदि छाया कि व्यवस्था नही हो रही तो उसमे जो खाद् है वो बनने से पहले ही सूख जाऐगी और सही से तैयार नही होगी। जिस पर धनष्याद प्यारी वाई भुरा चुन्नी लाल जी ने कहा कि इसके लिए हमे खेत के आसपास बल्ली लगाकर उसमे चारा आदि डालकर व्यवस्था की जा सकती है पर खादृय कब आयगो समय समय पर आयगो की नही जैसी समस्या हो सकती है। जिसमे पर वताया की अगर हम को खादृय तीन महीने के वाद चाहीए है तो आज से ही हमे प्रयास करने होगे क्योकि देषी खादृय को तैयार करने के लिए तीन माह का समय लगता है और अच्छी खादृय मिल जाती है। थोडा सा प्रयास करना पडेगा

आगे जी ने वर्मी कम्पोस्ट भरने की विधि बताते हुए कहा कि इसमे सबसे पहले काली मिट्टी बिछाते है इसके उपर गोबर उसी मात्रा मे डालते है इसके बाद इसी तरह इस प्रक्रिया को दोहराते रहते है। जब तक की वर्मी पूरी न भर जाये इसके बाद इसे केचुए डाले जाते है। जैसे कि आप सभी लोग जानते है कि केचुआ किसान का सबसे बडा मित्र है लेकिन आज के समय केचुआ देखने को नही मिलते है क्योकि रसायनिक खाद् के कारण केचुआ नष्ट हो गये है। केचुआ खेतो मे न होने के कारण जमीन ठोस हो गये है। और ठोस जमीन पर फसल पैदावार अच्छी नही होती है। जब जडो पर पानी घूप खाद् आदि नही पहुचेगे तो पैधे कैसे बढेगे। केचुआ हमेषा जमीन के अन्दर रहते है। जो पूरी जमीन को पोला कर देते है जिससे जो पानी खाद् घूप नमी आदि है वह बनी रहती है। और पानी बगैरह पहुचता है जिससे पैदावार अच्छी होती है। यही कारण है कि पहले के समय मे जैविक खाद् को अधिक महत्व दिया जाता था और फसल भी अच्छी होती थी।

परिणाम–लोगो ने वताया कि इस वार तो किसान के यहा खने के लिए दाना नही है और जो वोया था वह भी नही निकला साथ ही साहूकार का कर्ज बैक का कर्ज से किसान की हालत खराव है और लोगो के पास पलायन के अलवा कोई चारा नही है। साहव आप लो ही कुछ व्यवस्था करे कि घर के वुर्जक बच्चो का पालन हो सके।

2.3 Coordination meeting of Seed bank beneficiaries

स्थान–खैरो ,अतरार, कदवॉ

दिनॉंक–19.10.2015 to 26.10.2015

कुल प्रतिभागी– 63 महिला 33 पुरुष 30

उददे्ष्य– बीज बैक मे नही वचा अनाज सुखा के कारण से किसान कर्ज के साथ के पलायन के लिए है मजबुर

चर्चा के बिन्दु– किसानो को राहत दिलाये जाये साथ ही अनाज बीज की व्यवस्था कैसे हो ।

ग्राम मे लक्ष्य समुदाय के साथ सामुदायिक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग मे सामूहिक रूप से चर्चा के दौरान बीज बैंक के संचालन, के साथ क्या समस्यऐ आ रही है पर चर्चा के दोरान लोगो ने वताया कि अपना जो बीज बैक था उसका तो हम लोगो को पुरा लाभ मिला है पर प्रकिृत ने हमे धोका दिया है जिस कारण हम बीज नही लोटा पा रहे क्योकि आपको मालूम है कि किसान के यहा खाने के लिए नही वह महिनो से लोगो ने दाल नही खाई वही रोज कमा रहे तब परिवार को भोजन मिल पा रहा है ऐसे मे अनाज की और व्यवस्था संस्था कराये तो लोगो पर वडा उपकार होगा नहिी तो किसान के पास पलायन के अलवा कोई चारा नही हैं आज पुरा गाव सुखा के कारण परेषान है वही सुखा का सही सर्वे नही किया जा रहा मुआवजा की राषि से तो बीज का कर्ज नही चुक रहा ऐसे मे हम लोगो क्या करे ।

प्रदीप जी ने वताया की हमारे जो बीज बैक थे हमने सभी को पुरा अनाज तिवरण कराया है और सभी को बोला भी है कि इस वार कोई भी सदस्य बीज वापीस नही करेगा न ही बीज बैक मे जमा किया जायेगा तो आप लोगो इसकी चिन्ता नही करनी है कि हम बीज कैसे वापीस करे । रही वात आगे कैसे घर परिवार चले तो हम लोग पुरा प्रयास करेगे की आप लोगो को षासन की योजना का पुरा लाभ तो मिले ही साथ ही संस्था भी कुछ राहत आपको दिलाये जिसके लिए प्रयास जारी है। साथ ही हम लोग कुछ छोछे छोटे रोजगार भी प्रारम्भ कर अपनी आय कर सकते है जिसके लिए हम मिल कर कुछ कार्य करेगे आप लोगो के साथ हम खडे है और खडे रहेगे

परिणाम –संस्था द्वारा भी तय किया गया की जहा जहा पर बीज बैक है उस बीज से लोगो की मदद की जाये और पुरा बीज मुफ्त दिया जाये जब तक नई फसल नही होती या अन्य कोई राहत नही मिलती इस तरह से किसानो को बीज से राहत उपल्बध कराई जाये।

Workshop on land bill

दिनांक– 30/12/2015

स्थान –वगा

उद्धेष्य– वन अधिकार व सुखा राहत के तहत मुआवजा प्रकिया।

कुल प्रतिभागी– 55 महिला 22 पुरुष 33

मीटिंग का शुभारम्भ परिचय सत्र के साथ किया गया। जिसमे प्रदीप जी ने कहा कि आज की मीटिंग का मुख्य उद्द्धेष्य ग्रामो मे ‘षासन द्वारा गरीबो की जमीन छिनी जा रही है उनको हटाया जा रहा है जमीन का मुआवजा सही रुप से वितरण नही किया जा रहा और हम लोग सव देखते ही रहते है और ‘षासन हमे हमारी जमीन से हटा देती है आज की मिटिग का मुख्य उद्धेष्य यही है कि पहले हम जाने की ‘षासन की प्रकिया क्या है और हमे किस तरह से ‘षासन से निपटना होगा या मुअ. ावजा की लडाई लडनी है। तो साथियो यही आज मुख्य मुद्धा है। ग्राम पंचायत बरद्धाहा मे कार्य कर रही है जिसमे ग्राम बगा भी आता है ग्राम बगा जो की मूल रुप से आदवासी ग्राम है और यहा पर लगभग 100 आदवासी परिवार निवास करते है। जहा पर संस्था द्वारा नरेगा /किसान समितियो का गठन किया गया है। यहा पर षासन द्वारा तडपेड बांध का निमाण कराया गया जिसके लिए लोगो को विस्थापित किया जा रहा है। और कुछ परिवारो को विस्थापित कर दिया गया है। जिसमें ग्राम के लोगो की खेती के साथ मकान डूव क्षेत्र मे होने के कारण लोगो को हटाया जा रहा है। षासन द्वारा लोगो को कहा गया था कि आपको मकान के बदले मकान दियाा जायेगा पर ऐसा नही किया गया और और कुछ लोगो को मकान के बदले प्टॉल एक एक कमरा वना कर दिया जा रहा है। लेकिन कुछ ऐसे भी है जिन्हे कुछ भी नही मिला जिन्हे मुआवजा दिया जा रहा है वह भी 3000 से 5000 हजार रुपयें जवकी विस्थान से पहले बडे बडे वादे किये गये थे पर आज षासन वहाने कर रहा है और अधिकारी सुन नही रहे। विस्थापन परिवारो के सर्वे मे धांधली की गई और आज लोगो को सोने के लिए आसरा नही मिल पा रहा । जिसके लिए ग्राम के 50से 60 लोगो को जोड कर जिला प्रषससन को आवोदन दिया गयाा जिसमें सभी ने पुनः सर्वे कराने की मांग की और सभी को मकान मुआवजा मिले इसके लिए प्रषासन पर दववा दिया गया।इसके वाद लोगो को प्रदेष मे किये जा रहे आदिवासीयो के विस्थापना व स्थिति पर चर्चा की गई।

भारत देश की आबादी का एक बहुत बडा हिस्सा आज भी गांव में रहता है। जो कि 60 प्रतिशत से अधिक है एवं गांव में रहने वाले वचित समुदायों जैसे दलित, आदिवासी एवं अन्य की अजिविका एवं विकास को सुनिश्चित करने में भूमि की एक बहुत बडी भूमिका है। जमीन न सिर्फ उनकी अजिविका का एक आवश्यक संसाधन है बल्कि समाज में प्रतिष्ठा एवं सामाजिक सुरक्षा का भी एक साधन है। साथ ही भूमि के समान वितरण से समाज में सकारात्मक सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन तथा समानता लाने में भी सहयोग मिलता है। यदि हम भारत का इतिहास देखे तो उक्त समुदायों को जमीन से वंचित रखा गया है अथवा वंचित किया जा रहा है। सरकारो द्वारा आजादी के बाद से ही लेण्ड रिफार्म की बात कही जाती रही है। आजादी के तत्काल बाद सरकार की पहली प्राथमिकता लेण्ड रिफार्म थी। पंरतु हमारे देश में कुछ ईलाको को छोड दें तो लेण्ड रिफार्म का काम पुरी तरह विफल रहा है। लेण्ड रिफार्म के अन्तर्गत आजादी के बाद से मध्यप्रदेश में भी सरकारों द्वारा कुछ प्रयास किए गए।

जिसमें आखरी प्रयास वर्ष 2002 में दलित एवं आदिवासी समुदायों को भूमि का वितरण था। तत्कालीन मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 13 जनवरी 2002 को 21 सुत्रिय भोपाल डिकलरेशन जारी किया गया। जिसके बिन्दु कमांक 10 में मध्यप्रदेश के सभी भूमिहीन दलित एवं आदिवासी परिवारों को दिसंबर 2002 तक भूमि उपलब्ध कराए जाने की बात कही गई थी। सरकार द्वारा चरनोई (गार्जींग) के लिए आरक्षित की गई 7.5 प्रतिशत जमीन से कम कर 5 प्रतिशत किया गया एवं बाद में इसे 2 प्रतिशत और घटाया गया एवं इस प्रकार कुल 7 लाख एकड जमीन जो बची उसे 344329 परिवारों में बाटा गया। इस हेतु सरकार द्वारा 2 मार्च 2002 को एक आर्डर निकाला गया। दिसंबर 2002 तक इस प्रकार का भूमि वितरण सरकार द्वारा किया गय

सरकारी आंकडो के अनुसार इस भूमि वितरण के बाद भी मध्यप्रदेश की 30 प्रतिशत आबादी वाले दलित एवं आदिवासी समुदाय के पास मात्र 14 प्रतिषत जमीन ही थी। एवं वास्तविकता में उससे बहुत ही कम। क्योंकि सरकारों द्वारा समय–समय पर उक्त वंचित समुदायों को भूमि का जो वितरण किया गया वह भूमि पहले से ही गांव के दबंग लोगों एवं जमीदारो के पास थी एवं वै किसी भी किमत पर इन जमीनों से अपना कब्जा छोडना नही चाहते है। इसके चलते यदि हम सबसे आखरी यानी वर्ष 2002 का भूमि वितरण देखें तो एक अनुमान के अनुसार 60 प्रतिषत से अधिक परिवारों को मिली भूमि में विभिन्न प्रकार की समस्याएं उन्हे आ रही है जो इस प्रकार है –

पट्टा मिला परंतु कब्जा बिल्कुल नही मिला। कब्जा मिला है परंतु आधी अधुरी जमीन पर कब्जा मिला। आवंटीत भूमि का अब तक सींमाकन नही किया गया। जिसके चलते परिवार को पता नही कि उसकी जमीन कहां है। जमीन तक जाने का रास्ता नही मिल पाया। (जबकी यह हर व्यक्ति का कानूनी अधिकार है कि उसे रास्ता मिले)। इस प्रकार यदि हम देखें तो 344329 परिवारों में से 206597 परिवारों को मिली जमीन में कब्जा मिलने में विभिन्न प्रकार की समस्याएं है। इतिहास गवाह है कि जब–जब एक वर्ग विशेष ने अपने हित में जंगल–जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की तब–तब विद्रोह की चिंगारी भड़क उठी। वैसे भी, अधिकतर विद्रोह, बगावत या संघर्ष संपत्ति के लिये ही होते रहे हैं। अगर सिर्फ 1857 से 1947 तक के किसी भी विरोध या संघर्ष को देखें तो उसके पीछे स्वतंत्रता की भावना के साथ कहीं न कहीं जमीन अथवा संपत्ति का संघर्ष छिपा हुआ है। यहां एक कोशिश है जमीन के सवाल पर लड़े या खड़े हुए आज तक के कुछ प्रमुख संघर्षों को जानने की। ताकि हम आज के भूमंडलीय पूंजीवादी दौर में हाथ से छिनती जमीन, जंगल और प्राकृतिक संपदा को बचाने के लिये पुनः एकजुट हो सकें। इतिहास को सामने रखकर संघर्ष की राह पकड़ सकें।
उपरोक्त परिस्थितियों में बड़ी संख्या पट्टेधारी अपनी भूमि के अधिकार से वंचित हुए हैं। सिर्फ 21 प्रतिषत पट्टेधारकों को उनकी पूरी भूमि का कब्जा हासिल हुआ, जबकि 52 प्रतिषत को उनकी भूमि पर कब्जा हासिल ही नहीं हुआ, जितनी भूमि उन्हें आवंटित हुई। 27 प्रतिषत हितग्राहयो को तो उनके पट्टे की जमीन पर कब्जा हासिल ही नहीं हुआ। इससे यह स्पष्ट है कि दलित समुदाय की सामाजिक आर्थिक हैसियत कायम करने तथा उन्हें सामाजिक न्याय, बराबरी और आजीविका सुरक्षा के जिस मूलभूत उद्देष्य से दलित समुदाय को भूमि आवंटित की गई, वह उद्देष्य पूरा ही नहीं हुआ।

अगर हमे प्रदीप जी ने वताया की अगर हमे सरकार हमारी जमीन का ही मु आवजा नही देती या जमीन के बदले जमीन नही देती तो हमे भी आदोलन करना हो जो वर्षो पहले गांधी ने किया था या कभी छतीसगढ मे हुआ था तो अभी हम और जानकारी जमा करे और प्रषसन के साथ सर्म्पक करे की हमारे वारे मे क्या सोचते है हमे हमारा मुआवजा मिलें और रहने के लिए घर और हमारी लडाई जारी रहेगी। प्रभातिव परिवारो ने सर्वे पुनः किया जाये को लेरक ग्राम के मुन्ना आदिवासी मातादीन भूरा परम भज्जू लल्लू ग्यासी रामप्यारी मोहन आदिवासी ने मागं की

Perspective Building and Institutional Strengthening

1- Narega group Promotion meeting

स्थान– पिपौराकला, पिपौराखुर्द

दिनांक– 29.10.2015

उददेष्य– नरेगा ग्रुप को सही से संचालित करना साथ ही आगामी कार्ययोजना तैयार करना।

कुल प्रतिभागी– 47 महिला 24 पुरुष 23

प्रकिया-– ग्राम मे गठित नरेगा ग्रुप सदस्यो के साथ सर्म्पक कर मीटिंग का आयोजन किया गया। प्रतिभागीयो को नरेगा के बारे मे जानकारी दी गई और ग्रुप के संचालन, सदस्यता आगामी रणनीति पर चर्चा की गई।

मीटिंग का शुभारम्भ परिचय सत्र के साथ किया गया। जिसमे प्रदीप जी ने कहा कि आज की मीटिंग का मुख्य उद्द्वेष्य ग्राम स्तर पर गठित संचालित नरेगा गुप की आगामी कार्य योजना तैयार करना है जिससे लोगो को योजनाओ से जोडा जा सके और नरेगा के अन्तर्गत लोगो को रोजगार उपलब्ध हो सके।

आगे प्रदीप जी ने बताया कि ग्राम स्तर पर नरेगा की समस्या को देखते हुए आपके ग्राम मे नरेगा गुप का गठन किया गया है।हम सभी को एक बार इस संगठन को सषक्त व मजबूत करने की आवष्यकता है जब संगठन एक बार ठीक व सही रुप में काम करने लगता है। तो धीरे धीरे समस्याऐ कम होने लगती है। इसके लिए आवष्यक है कि हम सभी लोग मिल कर अपने इस संगठन के लिए कार्य करे यदि एक बार अपना ये संगठन मजबूत हो जाऐगा तो फिर आगे काम करने मे कोई समस्या नही होगी साथ ही आवष्यकता के अनूसार काम मिल सकेगा समय पर मजदुरी के लिए दववा वनाया जा सकता है। संगठन को सही से संचालित करने के लिए आवष्यकता है कि हम अपने मण्डल की नियमित बैठक करे साथ ही आगामी किये जाने वाले कार्यो के बारे मे विधिवत् कार्ययोजना वनाये।

साथ ही उन्होने बताया कि अव हमरा कमा आया है की कार्य ग्राम के विकास के साथ लोगो की मददकी जाये क्योकि ग्राम पुरा जिला सुखा की मार झोल रहा है लोगो के पास काम नही है कर्ज बड गया है वही अन्य खर्च लगे है तो आज आवष्यकता है कि हम लोगे मिल कर कार्य करे और गाव के ऐसे परिवार जो जरुरत मंद है या जिन्हे काम की आवष्यकता है ऐसे परिवारो को चिहिन्त करे और उनके आवेदन तैयार कराये ताकी लोगे को नरेगा मे कमा मिल सके और लोग गाव छोड कर पलायन न कर सके ।

हम ने भी नरेगा अधिकारी से वात की थी तो उनका भी कहना है कि हर पंचायत मे हमने एक एक मेड वधान तथा अन्य कार्य स्वीकृत किये है ताकी लोगे को समय पर काम मिल सके और पलायन को रोका जा सके तो भईया कोषिस करे कि कोई भी व्यक्ति गाव छोड कर न जा सकें। और नये काम के लिए ग्राम सभा मे भी प्यालन लगाना है ताकी काम बंद न हो सके। सभी ग्रामवासीयो लोगे ने मिल करर्य करने और लोगे को नरेगा से काम मिले इसके लिए एक जुट हो कर कार्य करने पर सहमति प्रदन की।

परिणाम- सुखा होने के कारण लोगो ने समितियो के सहयोग से लोगे को काम दिलाने की वात कही वही लोगे को सुखा राहत के अर्न्तगत मिलने वाले मुआवजा पर अपनी नजर रखने को कहा तकी सभी लोगो को मुआवजा मिल सके साथ ही सर्वे भी सही हो। इसके लिए रणनीति तैयार की गई। और अधिक लोगे को नरेगा ग्रुप मे शामिल किया जाये तथा संगठन को और मजबुत करने पर जोर दिया गया।

2.2 Oprational meeting federation/Pos

स्थान– पिपौराकला, पिपौराखुर्द

दिनांक–31.10.2015

उददे्ष्य– आगमी रणनीती तैयार करना रोजगार गांरटी मे लोगे की भुमिका बचत नियम पर चर्चा।

कुल प्रतिभागी 28 महिला 7 पुरुष 21

प्रकिया– सदस्यो की कार्यक्रम मे रणनीति, कार्ययोजना नरेगा मे लोगे की भागेदारी तय करना।

आभार महिला समिति द्धारा पिपौराखुर्द, पिपौराकला में दिनॉक 31.10.2015 कोमीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे संस्था कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे, ने कार्यक्रम की शुरूआत परिचय सत्र से की गई। जिसमे उन्होने की जैसे कि आप लोग जानते है कि संस्था क्या काम करती है। संस्था आभार महिला समिति विगत 15 वर्ष से समाज विकास एवं महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यकर रही है। वर्तमान समय मे हमारा काम छतरपुर जिले की 15 पंचायतो के 17 ग्रामो मे चल रहा है। ग्रामो मे हमारे काम करने का मुख्य उद्द्वेश्य ग्राम विकास के साथ लोगे की योजनाओ मे सघन भागेदारी तय करना है।

कार्यक्रम के दोरान लोगो ने वताया की पुरे जिले मे सुखा पडा हुआ है और लोग अपना घर वार छोड कर ग्राम से षहरो की ओर पलायन कर रहे है वही जो लोग समूह चला रहे थे या बचत जमा नही कर पा रहे अव उनको पैसा की जरुरत है और उनका कहना है की हमारा समूह बंद कर दिया जाये ताकी हम लोग बाहर काम के लिए जा सके । लोगो द्वारा तय किया गया कि समूह को किसी न किसी तरह से लो दिलाया जाये ताकी लोग कुछ काम कर सके साथ ही हमारा प्र्यास होना चाहीए कि ऐसे लोग जो काम करना चाहते है उनको षासन की योजनाओ से जोडा जाये इसके वाद भी कार्य नही दिया जाता तो हम फेडरेषन के माध्यम से लोगो के आवेदन कराये या प्रषासन से सर्म्पक कर आग की रणनीति तैयार करे ।

वर्तामन मे सुखा राहत के तहत लोगो को काम से जोंडा जा रहा है वही सर्वे किया जा रहा तो हमारी भुमिका होगी कि हम लोगो को ज्यादा से ज्यादा इस वारे मे वताये िकवह घर पर ही रहे साथ ही फसल नुक्षान का सही सही आकलन कर सर्वे कर्ता से लिखवायें नही तो मुआवजा का पैसा नही मिल सकेगा। साथ रोजगार गांरटी मे ज्यादा से ज्यादा लोग काम के लिए आवेदन करे ताकी लोगो को यही ग्राम मे ही कमा मिल सके।

Collective Action & Advocacy

3.1 Collective action throught BBAM Regional meeting

स्थान– छतरपुर

दिनांक– 15.11.2015

उददेष्य– स्थानीय स्वय सेवी संस्थाओ को सषक्त कर नेटर्वक को मजबूत करना।

आभार महिला समिति छतरुर द्वारा दिनांक 15.11.2015 को स्थानीय स्वय सेवी संस्थाओ के सदस्यो के साथ एक मीटिग का आयोजन किया गया। जिसमें 22 लोगो की सहभागिता रहीं। मीटिंग की शुरूआत परिचय सत्र के साथ शुरू की गई जिसमें कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप कुमार खरे जी ने अपना परिचय दिया और बताया कि आभार महिला समिति छतरपुर विगत 15 बर्षो से जिले में काम कर रहीं है। एवं कासा परियोजना के सहयोग से 7 वर्ष से जिले की 17 पंचायतो मे काम किया जा रहा है। जिसमे बीबाम भी एक नेटर्वक के रुप मे हमारे साथ जुडा है वही लोक स्तर पर भी एक संगठन वनाया गया है जिसका नाम बुन्देल खणड एकता विकास मंच है जिसमें ग्राम के लगभग 300 लोगो की भागेदारी है। जिसमें कई लोग आगे आकर आज मजबूत संगठन के रूप में कार्य कर रहें है।

आज की मीटिंग का उददेष्य है कि स्थानीय स्तर पर कार्य कर रही स्वंय सेवी ंसस्थाये एक जुट होंकर कार्य करे ताकी समाज की लडाई को एक जुड हो कर लडा जा सके और समाज के गरीव तपके को न्याय मिल सके। और इसके लिए आवष्यकता है कि जिले मे एक मजबूत संगठन हो जो मुद्धो के साथ खडा हो। संस्था में रहकर लोगो के हक की लडाई को अव लडना उतना आसान नही है क्योकि जो नये नियम काननू आ रहे है उससे तो संस्था को भी चलाना मुषिल हो रहा है।

आगे प्रभाती जी ने बताया कि संगठन की मजूती की बात कही जा रहीं है। तो पहले हमे सोचना होगा कि हम कुछ महिलाये और पुरूष मिलकर अपनी जिम्मेदारी को सहीं रूप से निभाये और विचार कर नये लोगो को सौपा जाये। दूसरी बात संगठन को मजबूत करने के लिये खुद कुछ करना होगा। अन्य साथियो ने अपने–अपने विचार रखते हुए कहा कि संगठन को नेटवर्क की आवष्यकता है। संस्थाओ के लोगो को प्रबंधकारिणी में होना चाहिए। तथा हर माह में कम से कम एक मीटिंग करना आवष्यक है। अगर दों लोग मिलकर प्रयास करे तो निष्चित ही हम लोग आगे जायेगे। इसलिए कुछ काम नेटवर्क के माध्यम चलना आवष्यक है जिससे नेर्टवक को मजबूत किया जा सके।

प्रदीप जी ने वताया किआज संस्थाओ पर इतने नियमअ कनूनू वनाये जा रहे है कि आप धरना/रैली/अनषन/नारे/चक्वाजाम /जनसुनवाई जैसे कार्य नही कर सकते सरपंच के साथ मिटिग नही कर सकते ऐसे मे आप आम आदमी की लडाई कैसे लड सकेगे सोचने की आवष्यकता है। इसलिए आज आवष्यकता है कि हम मिल एक जन सगंठन वनाये और लोंगो को उनके अधिकर दिलानें के लिए एक जुड होंकर कार्य करे जिसके आवष्यक सनंसाधन कासा व अन्य संस्थानो से जोडने का प्रयास करे साथ ही कुछ हम सव मिल कर एक फड जमा करे ताकी समय आने पर मुद्धो के साथ कार्य किया जा सके।

परिणाम–कार्यक्रम में तय किया गया कि प्रबंधकारिणी एवं संगठन को मजबूत बनान के लिया एक ढाचा तैयार किया जाये साथ ही उसके लिचित मे कोई ऐजेन्डा वनाया जाये सदस्यो की सदस्यता पंचजि हो लेटर पेड तैयार किया जाये ताकी हमारी एक पंहचान वन सके। आगे हर माह एक मिटिग रखने का प्रस्ताव आया और अगले माह इसी दिन मिटिग होगी पर सहमति वनी।

प्रदीप जी ने सभी का आभार व्यक्त किया और मीटिग का समापन किया।

2- Dialog with media on policy- MNREGS, RTI, FRA ,PDS

स्थान– छतरपुर

दिनांक–15.12.2015

उददे्ष्य– ग्रामीण जन की जन समस्याओ से प्रषससन व मिडिया को अवगत करना।

प्रकिया– पत्रकारो से व्यक्तिगत चर्चा के माध्यम से जन समस्यओ को रखा गया।

आभार महिला समिति छतरपुर व कासा भोपाल के सहयोग से दिनांक 15.12.2015 को छतरपुर में दोपहर 3 बजें पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम बरद्धहा/ गोची/ कुर्रा/ अतरार/ परापटी/ **बसाटा/**कदव/रनगुवा/ पिपैराकला अलावा स्थानीय पत्रकार श्री प्रतिक जी श्री प्रमोद चैरासिया, विकास चैरासिया, लोकेष चोरसिया जी रफीक खान अकुर जी सहित कुल 20 लोगो की सहभागिता रही।

कार्यक्रम का परिचय देते श्री प्रदीप जी ने वताया की आभार महिला समिति छतरपुर विगत पिछले 15 वर्ष से समाज विकास व जन कल्याण के लिए प्रयास रत्र है। संस्था छतरपुर ब्लाक की 15 पंचायतो 6 वर्ष महिला सषक्तिकरण के साथ आजिवका को लेकर कार्य कर रही है जिसमें लोगो को ग्राम स्तर पर ही रोजगार मिल सके तथा ग्रामो से हो रहे पलायन को कम किया जा सके। आगे उन्होने वताया की संस्था द्धारा ग्रामों में बीज बैक/किसान फेडरेष/युवा सगंठन महिला समूहो के माध्यम से किचिन ग्रार्डन लगाये गये तथा युवाओ को स्वरोगजार प्रषिक्षण देरक आजिविका से जोडा जा रहा है जिसमें दुकान/हाटबजार का आयोजन/ दुकान जैसी छोटी छोटी इकाई लगाई जा चुकी है आज की इस मिटिग बुंलाने का उद्धेष्य यह है कि ग्राम स्तर पर जो लोगो की छोटी छोटी समस्या है उनको आपके सामने लाना तथा आपके माध्यम से स्थानीय प्रषासन को ग्राम की समस्यओ से अवगत करना है।

श्री षिवप्रसाद तिवारी– ने बताया कि हमारे ग्राम बरद्धहा मे सबसे ज्यादा समस्या शैचालय की है हमारे ग्राम मे सभी लोग शैचालय बनवाने एवं सहयोग करने के लिए तैयार है। इस सम्बन्ध मे सरपंच सचिव से बात करने पर उन्होने बताया कि अभी शैचालय को पैसा आया नही है जब आ जाऐगा तो बनवा देगे। हम सभी ने शैचालय निर्माण के लिए पहले भी आवेदन तैयार कर सचिव को दे दिये थे लेकिन उस पर अभी तक कुछ भी नही हुआ है।

श्री गोविन्द दास आदिवासी– हमारे ग्राम अतरार मे इस समय सबसे ज्यादा समस्या पानी की है। हमारे यहां पर नल जल योजना के अन्तर्गत टंकी बनवाई गई थी और उससे ग्राम के सभी लोगो को पानी भी मिलता था लेकिन वर्तमान समय मे वहां का तार टूट जाने के कारण हम लोग पानी के लिए बहुत ही परेषान है। इसको लेकर कई बार सरपंच से भी बात की लेकिन उस पर काई कार्यवाही नही हुई है।

श्री पूरन आदिवासी– हमारे ग्राम कुर्रा मे लोगो को राषन की पर्चीयां वितरित न होने के कारण लोगो को समय पर राषन नही मिल पा रहा है जिसको लेकर हम लोगो ने अपने ग्राम सचिव से बात की है लेकिन अभी तक उसका कुछ भी नही हुआ है। जिसके कारण हम सभी लोग बहुत ही परेषान है।

कदवा – कदवा मे सरमन आदिवासी ने कहा कि हमारे ग्राम मे लोगो के के पास रोजगार का कोई साधन नही है। लोगो के बहुत बार इस बात को सामने रखा है हमारे ग्राम मे भी अपना एक बाजार लगाना चाहिए इससे दो लाभ है एक तो ग्राम का विकास होगा साथ ही ग्राम के एवं आसपास के लोगो को एक स्थाई अजीविका का साधन मिल जाऐगा जिसके माध्यम से अपना जीवन निर्वाह एवं भरण पोषण आसानी से कर सकते है।

श्री किषन यादव– ग्राम गोची के किषन ने बताया कि हमारे षोचालय की राषि आ गई है पर किसी के यहा पर षोचालय नही वने है साथ ही लोगो को काम नही मिल रहा मध्यान भोंजन की स्थिति खराब है ऐसे मे ग्राम के लोग परेषन है और सरपंच/सचिव नजर नही आते वह गाव मे रहते नही है। पेषन दो दो माह से नही मिली।

श्री रामकुमार–ग्राम परापटी के रामकुमार ने वताया कि यहा की हालत ऐस है की लोगो कोई काम नही सरपचे कभी आते नही सामतंषाही का बोलबाला है जाबॅकार्ड सरपचं के पास है किसी को भी कोई काम नही मिलता पेषन 6 माह से नही मिली लोगो को जो षिकायत करता है उसको पीटा जाता है या परेषान किया जाता है जिस कारण कोई षिकायत तक नही करता ।

अनूप पटेल–ग्राम पनोठा के श्री पटेल ने वताया की हमारे ग्राम मे 1 साल से ज्यादा हो गया लोगो की इन्दिरा आवस सविकुत हुये पर आज तक काम नही लगा न ही पैसा मिल रहा लोगो के पास काम नही है महिनो पैसा नही मिलता रोजगार गांरटी मे कोई काम नही करना चाहता।

श्री रामधीन विष्वकर्मा– उन्होने बताया कि ग्राम पिपैराकला मे जनपद द्वारा जो पुल निर्माण कराया जा रहा है उसकी गुण व्तता इतनी खराब है कि 25 –1 का मषाला लगाया जा रहा है वही कई वार षिकायत करने के वाद भ कुछ नही हो रहा लोगो को पीने के लिए पानी नही है। एक गरीब के घर को अनाज लोगो ने जला दिया पर उसको कोई राहत नही दगई सरपंच देखने तक नही आया लोग पलायान कर रह है।

परिणाम–अकुर जी –बेठक मे उपस्थिति सदस्यो ने कहा की आप लोगो ने जो मुद्धे रखे है उनको हम प्रषासन के साथ चर्चा भी करेगे साथ ही प्रदीप जी द्वारा समय समय पर प्रेस नोन जारी होता रहता है गाव की समस्या से अवगत कराता रहता है पर आप लोग यहा तक आये और आपने मिडिया को अपना समझा खुषी की वात है और हम लोग आपके साथ है पहले भी हमने आपके मुद्धो को लिखा है। और कई स्थान पर समस्या हल हुई तो परिणाम धिरे धिरे ही आते है सुधार होगा होगा जरुर धन्यवाद

3 compaign on social audit pocess

स्थान–रनगुवा, कदवा, अतरार, बसाटा, खैरो, कला, पिपौराकला, पिपौराखुर्द, गोची, परापटट्ी,, मनपुरा, बरद्वाहा, पिपौराबगा, परापटट्ी

दिनांक– 02.11.2015से 08.11.2015

उददेष्य– पंचायत द्वारा किये गये कार्य का समाजिक अंकक्षेण प्रकिया।

प्रकिया-आभार महिला समिति द्वारा दिनांक 2.11.2015 से 8.11.2015 ग्राम बसाटा, अतरार, कदवा, परापटटी, खैरो, रनगुवा, पिपौराखुर्द, गोची, मानपुरा और बरद्वाहा में Comp[sign on social audit process program meeting का आयोजन किया गया। जिसमें आभार महिला समिति के कार्यकर्ता सुरेष कुमार वर्मा /रामकुमार /आषा प्रदीप जी मुख्य रुप से कार्यक्रम षामिल हुये।

माध्यम से समाजिक अंकेक्षण अभियान का आयोजन किया गया जिसमे संस्था पदाधिकारी सहित कुल 327 प्रतिभागी शामिल हुए।जिमसे महिला 145 पुरुष 182 कार्यक्रम का शुभारम्भ परिचय सत्र के साथ किया गया जिसमे प्रदीप जी ने अपना एवं संस्था का परिचय देते हुए कहा कि वैसे तो आप सभी लोग हमे अैार हमारी संस्था को जानते है क्योकि 05 वर्षो से जुडकर आप लोग लगातार हमारे साथ कार्य कर रहे है। साथ ही लगातार समय समय पर आयोजित होने वांले कार्यक्रमो मे शामिल होते है। संस्था कासा परियोजना के अन्तर्गत छतरपुर ब्लाक की 15 पंचायतो के 17 ग्रामो मे कार्य कर रही है। अैार हमारे कार्य करने का मुख्य उद्द्वेष्य लक्ष्य समुदाय का क्षमता बर्धन कर सामाजिक, आर्थिक रूप से सषक्त कर अजीविका से जोडना है जिससे कि वे समाज मे लोग आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके। आज के इस अभियान का मुख्य उद्द्वेष्य जन समुदाय को समाजिक अंकेक्षण के बारे मे जानकारी देना साथ ही उन्हे उनके अधिकारो एवं समाजिक अंकेक्षण के महत्व के प्रति सवेंदनषील बनाना है जिससे कि जन समुदाय इसकी उपयोगिता एवं महत्व को जाने अैार अपने अधिकारो का उपयोग कर सके।

आगे प्रदीप जी ने कहा कि समाजिक अंकेक्षण एक पंचायत द्वारा कराया जाने वाला अंकेक्षण है जो कि ग्राम सभा के सदस्यो द्वारा किया जाता है। समाजिक अंकेक्षण मे पूरे वित वर्ष का व्योरा एवं लेखा जोखा ग्राम सभा के सामने रखा जाता है। इसमे पंचायत अन्तर्गत कितनी आई और कितनी राषी खर्च की गई कौन से काम स्वीकृत थे और कौन से कितने काम किये गये है। इस समाजिक अंकेक्षण करने का हक और इसमे भागेदारी करने का अधिकार पंचायत के प्रत्येक ग्रामवासी को है जो उस ग्राम का निवासी है।

आगे उन्होने बताया कि किसी भी काम के सही से क्रियान्वयन एवं उसकी गुणवत्ता की परख करने के लिए समाजिक अंकेक्षण बहुत ही अवाष्यक है। जिस पर प्रदीप जी ने कहा कि मनरेगा के अन्तर्गत समाजिक अंकेक्षण के माध्यम से ग्राम सभा मे पुष्टि की जाती है यही समाजिक अंकेक्षण कहा जाता हैं। समाजिक अंकेक्षण के लिए अलग से ग्राम सभा का आयोजन किया जाता है। इसकी सूचना ग्रामवासी को 07 दिन पहले ही दी जाती है। इसके अंकेक्षण मे उन लोगो की भी मैजूदगी आवाष्यक है जिसने मनरेगा के अन्तर्गत काम किया है क्योकि वह मनरेगा एवं काम की स्थिति को अच्छे से बता सकते है।

परिणाम– पोस्टर एवं पम्पलेट के माध्यम से समाजिक अंकेक्षण के महत्व के बारे मे जानकारी दी गई जिसे लोगो ने अच्छे से सुना और समझा साथ ही समाजिक अंकेक्षण के बारे मे और भी ज्यादा बाते जानने की इच्छा लोगो मे देखने को मिली। ग्राम हिम्मतपुरा के भगवती प्रसाद षिवहरे ने इस अभियान के लिए संस्था का धन्यवाद करते हुए समय–समय पर इस तरह के कार्यक्रम संचालित करने की बात कही जिससे समाज के लोगो मे जागरूकता एवं संवेदनषीलता आये।

4- Coordination meeting with government agencies on program/scheme

स्थान– ईषानगर

दिनांक– 30.11.2015

उददेष्य– संस्था द्धारा किये जा रहे कार्यक्रम से अवगत करना व ग्राम स्त्रर पर संचालिय योजनाओ के सही कियान्वयन ।

Defenation- **ग्राम मे गठित समूहो/फेडरेषन व संस्था कार्यकर्ताओ के साथ सामुहिक चर्चा।**

कुल प्रतिभागी 32 महिला 11 पुरुष 21

आज दिनांक 30.011.2015 को आभार महिला समिति द्धारा स्थानीय प्रषसन के साथ समन्वय मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमे संस्था अध्यक्ष प्रभाति खरे, उघानिकी विभाग अधिकारी (षैलेन्द्र मिश्रा जन अभियान समन्व्यक सुनिल वर्मा कुर्षी विभाग से विनोद खरे जी व आर के सक्सैना आर के गुप्ता पंचायत तथा मनरेगा जिला समन्वयक अमित सक्सैना सहित अन्य लोग उपस्थिति हुये। मीटिंग की शुरूआत स्वागत और परिचय सत्र के साथ की गई। जिसमे कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे जी ने अपना परिचय देते हुए विभागीय अधिकारी को संस्था के कार्य एवं उद्द्वेष्य के बारे मे बताया कि आभार महिला समिति 15 वर्षो से कार्य कर रही है। जिसका मुख्य उद्द्वेष्य लोगो को संगठित व जागरुक कर लोगो अजीविका से जोडना ताकी लोग आत्मनिर्भर हो कर आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके। संस्था द्धारा छतरपुर ब्लाक की 15 पंचायतो के 17 ग्रामो मे महिला सषक्तिकरण व आजिविका को लेकर कार्य किया जा रहा है। हमारा कार्य मुख्य रूप से अ0ज0, अ0ज0ज0 और अ0पि0वर्ग के साथ है ग्राम स्तर पर अपने कार्यो को एक सफल रूप देने के लिए अलग–अलग समूहो का गठन कर उनके साथ अलग–अलग कार्य किये जा रहे है। जैसे किसान मण्डल, किषोरी मण्डल, युवा मण्डल, महिला समूह, नरेगा गुप आदि ।

प्रदीप जी ने बताया कि परियोजना द्धारा ग्राम स्तर पर आनाज बैंक, बीज बैंक, बर्मी कम्पोस्ट, नाडेप निर्माण, किचिन गार्डन और बीज वितरण कराया गया। जिससे ग्राम किसानो को आर्थिक रूप से कुछ सहयोग मिले, उनकी समस्याऐ कम हो साथ ही जैविक कृषि को बढावा देने का प्रयास किया जा रहा है। आगे उन्हाने वताया की संस्था के जिला स्तर पर कृर्षी विभाग व उधनिमकता विभाग का भर पुर्ण सहयोग मिल रहा है जिसमें सेकडो किसानो का बीज पोधे मषीन पाईप आदि का वितरण संस्था के सहयोग से कराया गया। जिसमें लोगो को आर्थिक व समाजिक रुप से लाभ मिल पा रहा है।

शैलेन्द्र जी ने कहा कि हमारा और आपका उद्द्वेष्य एक ही है लेकिन काम करने का तरीका थोडा अलग है आप लोग पात्र हित्र ग्राही को सीधे लाभ पहुचॉ रहे है पर हमे कुछ दस्तावेज चाहीए होता है जिस कारण आम किसान करना नही चाहता है जिस कारण हमारा बीज समय पर वितरण नही हो पाता है अगर आप हम मिल कर इसको करे तो निषचित ही और अधिक लोगो तक हमारी पहूॅच वनेगी जिसका लाभ आम नागरिक को होगा।

षेलेन्द जी ने वताया की अभी विभाग एक नया नियम आया है जिसमें उघानिकी विभाग मे किसानो को अपना रजिस्टेषन करना होगा नही तो किसी भी किसान को योजना का लाभ नही रजिस्टेषन एम0पी0अनलाईन पर Horticulture Department मे होगा इसके लिए हितग्राही को अपना एक पासपोर्ट साईज फोटो, एक फुल फोटो, जमीन का नक्सा, ट्रेस, खसरा, राषन कार्ड, बोटर आईडी आदि सभी आवाष्यक दस्तावेज लेकर रजिस्टेषन करना है। रजिस्टेषन करने के बाद आपको एक पावती मिलेगी जो आपकी Horticulture Department मे पात्रता निंधारित करेगा। आगे किसान जिस भी योजना का लाभ लेने के लिए

आवेदन लगायेगा उसके लिए रजिस्टेषन आईडी आवाष्यक होगी। लेकिन रजिस्टेषन कराते समय इस बात का ध्यान रखे की उसमे अन्य के Option पर जाकर सभी पर Mark करे क्योकि यदि किसान केवल एक योजना का चुनाव करेगा तो उसे केवल उसी योजना का लाभ मिलेगा लेकिन यदि वह सभी पर Mark करता है तो उसे सभी योजनाओ का लाभ मिल सकेगा ।

इस रजिस्टेषन मे कुल 30 रूपये खर्च होना है जिस पर केवल 10 रूपये हितग्राही को देय होगा बाकी के 20 रूपये शासन द्धारा दिया जाऐगा। इसलिए आप लोगो से अनूरोध है की ज्यादा से ज्यादा लोगो को रजिस्ट्रेंषन कराये ताकी आने वाले समय पर लोगो को विभाग की योजनाओ का लाभ मिल सके। इस तरह से अन्य विषयो पर चर्चा की गई और ग्रामीण लोगो को किस तरह से लाभ मिले इसके लिए मिल कर प्रयास करने पर जोर दिया गया।

5- Coordination planning &Review Meeting of local CSO network

स्थान–रनगुवा, खैरो

दिनांक– 26.11.2015 से 28.11.2015

उददे्ष्य– आगामी कार्ययोजना व सार्वजनिक प्रणाली योजना की स्थिति ।

प्रकिया– **ग्राम मे गठित समूहो/वालेन्टीयर के साथ समुहिक चर्चा।**

कुल सदस्य–65 महिला 28 पुरुष 37

दिनांक 26.10.2015 से 28.10.2015 तक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे ग्राम मे गठित महिला, समूह/युवा, किसान मण्डल के सदस्य शामिल रहे। बैठक मे संस्था पदाधिकारी सुरेष / रामकुमार / कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मीटिंग मे कुल 65 प्रतिभागी शमिल हुए। मीटिंग की शुरूआत परिचय सत्र के साथ किया गया जिसमे उन्होने बताया कि हमारी संस्था विगत् 15 वर्षों से लगातार ग्रामीण क्षेत्र मे कार्य कर रही है जिसका मुख्य उद्द्धेष्य षासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओ का सही तरीके से क्रियांन्वयन करने का प्रयास करना व पात्र हितग्राही को योजना का लाभ मिले लोग अपने अधिकारो की मांग स्वंय करे ऐसा प्रयास करना ।

जिसे महिलाओ का विकास हो उनमें आत्मनिर्भरता आये ग्राम की प्रत्येक महिला को समाजिक सुरक्षा योजना के साथ सावर्ज. निक वितरण प्रणाली का लाभ मिले जैसे मुद्धो को मिल कर हल करने का प्रयास करना हमारा मुख्य उद्धेष्य होना चाहीए। कार्यक्रम को आगे बढाते हुए बताया कि ग्रामो अक्सर देखने मे आता है कि लोगो को पेषन नही मिल रही पात्र लोगो के नाम बी.पीएल. मे नाम नही राषन नही लि रहा पर्चा नही दी जा रही उसके भी पेसा मागां जा रहा ऐसे मुद्धो को हल करने के लिए ठोस कदम उठाने की आवष्यकता पर बल दिया जाये और पात्र लोगो को राषन की पर्ची मिले सभी के राषन कार्ड हो और वह भी महिला के नाम पर वने इसके लिए कार्य करने पर जोर दिया गया।

परिणाम- फेडरेषन के माध्यम से जिला स्तर पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के साथ सामजिक सुरक्षा जैसे मुद्धो को उठाने पर जोर दिया गया साथ ही जो मंगवार की जनसुनवाई मे भी मुद्धो को रखा जाये पर चर्चा की गई।

6- Facilation of job demand application NAREGA (NB)

स्थान– रनगुवॉ, कदवा, अतरार, बसाटा, खैरो, कुर्रा, पिपौराबगा, पिपौराकला, पिपौराखुर्द, गोची, परापटट्ी, मनपुरा, वरद्वाहा,

दिनांक– 01.10.2015 से 30.11.2015 कुल प्रतिभागी 255 महिला 130 पुरुष 125

उददे्ष्य– प्रत्येक व्यक्तियो के नरेगा के अन्तर्गत काम मिले और काम का सही दाम मिले को लेकर इस मिटिग का आयोजन किया गया।

प्रकिया– ग्राम मे गठित समितियो के अवाला जॉव कार्ड धारी को काम का आवेदन दिलाना नरेगा के वारे मे जागरुक करना। आभार महिला समिति द्धारा मनरेगा के अर्न्तगत जन समुदाय को रोजगार उपलब्ध कराने के उ्द्धेष्य से 15 ग्रामो मे मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे संस्था पदाधिकारी सुरेष/दीपक/आषा राय सहित अन्य ग्राम के लोग उपस्थिति रहे किसान

मण्डल, युवा मण्डल एंव नरेगा ग्रुप के सदस्य शामिल हुए। मीटिंग मे कुल 255 प्रतिभागी शमिल हुए। जिसमे महिला 130 व 125 पुरुषो ने मीटिंग में जुड कर कार्य नरेगा कानून के बारे मे जाना व आवेदन की प्रकिया की गई।मनरेगा के अर्न्तगत ग्रामीण लोगों को एक जॉबकार्ड पर 100 दिन का काम दिया जाता है। जिससे उन्हे पलायन के लिए कहीं नही जाना पड़ेगा और ग्राम मे ही रोजगार प्राप्त हो सके। इस योजना का मुख्य उद्द्वेष्य लोगो को आवाष्यकता अनुसार और समय पर काम उपलब्ध कराना है। आगे ज्योति जी ने बताया कि ये एक मांग आधारित काम है जब आपको काम की आवाष्यकता हो तो काम की मांग करे आपको अपने ही ग्राम मे काम उपलब्ध कराया जाऐगा और यदि आपको ग्राम स्तर पर काम नही दिया जाता तो पंचायत से 05 किलो मी0 की दूरी के अन्दर काम दिया जायेगा जिसके लिए पुर्ण व्यवस्था ग्राम पंचायत करेगी। इस कानून के अर्न्तगत हर पंजीकृत परिवार को वर्ष मे कम से कम 100 दिन का रोजगार पाने का हक होगा। इसके अन्तर्गत रोजगार न्यूनतम मजदूरी की दर पर दिया जाता है। ग्राम स्तर पद हमेषा एक बात निकलकर आती है ग्राम मे रोजगार नही है इसलिए हम बाहर पलायन पर जाते है। लेकिन यदि वास्तव मे देखे तो कोई भी व्यक्ति 100 दिन का कार्य नरेगा में नही करता।

अगर वह नियमित 100 दिन इस योजना मे कार्य करे वाकी दिन अन्य अपने खेती सम्बन्धि कार्य कर मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण कर सकते है और उसको पलायन भी नही करना पडोग पर वह नियमित काम भी नही करता न ही कोई जानकारी रखता है जिस कारण उसको हमेंषा सरपंच सचिव द्वारा ठगां जाता है। अगर आपको रोजगार चाहीए है इस योजना मे तो लिखित आवेदन करना ही पडोग साथ ही अगर काम नही मिलता तो मुआवजा चाहीए तो आवेदन की पावती चाहीए अगर आपने यह सव किया तो निषचित ही आपको ग्राम में ही काम मिलगो समय पर मजदुरी मिलेगी। आगे निधि जी ने कार्य स्थल पर दी जाने वाली सुविधाओं के बारे मे चर्चा करते हुए बताया कि प्रत्येक कार्य स्थल पर स्वास्थ्य सुविधा, पीने के पानी की व्यवस्था, छाया कि व्यवस्था और यदि महिलाऐं काम कर रही है और उनका कोई 5 वर्ष से छोटा बच्चा है तो उसके लिए वहां पर झुला खिलोने व बच्चे को देख रेख करने वाले लोग भी होते है। कुल 188 काम के आवेदन तैयार कर सरपंच का दिये गये। कार्यक्रम का समापन किया गया और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

7- Public hearing on Govt

दिनांक– 3.12.2015 **स्थान** – छतरपुर – **प्रतिभागी– 44 ग्राम –12**

उद्धेषय–ग्रामीण जन समस्याओ से जिला प्रषासन को अवगत कराना। ताकी लोगो को योजना का लाभ मिल सके।

प्रक्रिया–लोगो को जन सुनवाई के वारे मे वताया गया साथ ही ग्राम के मुद्धो समस्याओ की पहचान की गई । लोगो की समस्याओ के आवेदन तैयार कराये गये तो लोगो को जि ला प्रषासन के सामने अपनी वात रखने के लिए तैयार किया गया । समुदाय के साथ मिटिग चर्चा कर के दस्तावेज तैयार किये गये।

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा दिनांक 3.12.2015 को ब्लाक छतरपुर में जिला कलेक्टर कार्यालय मे जन सुनवाई का आयोजन किया गया जिसमें 12 ग्रामो के कुल 44 लोगो ने अपनी समस्याओ को जिला जन सुनवाई मे जिला कलेक्टर/तहसीलदार के सामने रखा। । कार्यक्रम का उद्धेष्य ग्राम स्तर पर संचालित जन कल्याण कारियोजनाओ का सही कियान्वयन न होने व पात्र लोगो को योजना का लाभ नही मिल पाने से परेषान ग्रामीणो ने जिला प्रषासन के सामने रखी अपनी समस्याऐ। जिसमे सामाजिक सुरक्षा सार्वजनिक वितरण व सुखा राहत कार्य मे किये जा रही गणबडियो से परेषानीयो से प्रषासन को अवगत कराया।

कार्यक्रम में अलग अलग योजनाओ पर लोगो ने अपने आवेदन तैयार किये तथा संस्था के द्वारा मुद्धो को चिन्हित किया गया लोगो को किस तरह से अपनी आवाज को प्रषासन के सामने रखना है उस पर लोगो को तैयार किया लोगो के आवेदन तैयार कराये और लोगो को जिला जिला जन सुनवाई मे सामने लाने का प्रयास किया । संस्था द्वारा जिला जन सुनवाई मे ग्रामीण जन ने अनेक मुद्धो समस्याओ को रखा जिसमे सुखा राहत कार्य /सामाजिक सुरक्षा/खादृय सुरक्षा के साथ लोगो को ग्राम मे परेषानी का हल निकालने के लिए चर्चा विचार किया।

कुल ग्राम	जन सुनवाई कार्यक्रम	लोगो ने समस्या को रखा			जन सुनवाई मुद्धा
12	01	मंहिला	पुरुष	कुल	समाजिक सुरक्षा योजना पी.डी.एस

			14	30	44	**सुखा राहत**

संस्था द्वारा ग्राम की समस्याओ का अध्यन किया और को 31 षपथ पत्र एकत्र किये गये जिसमे 44 लोगो ने अपनी समस्याओ को एक नोट कर प्रषासन को अवगत कराया। लोगो ने वताया की ग्राम मे राषन दुकान नियमित नही खुलती कोटेदार राषन कार्ड अपने पास रखे है काला बाजारी बडे पेमाने पर की जा रही है। पात्र लोगो को उनका पूरा हक नही दिया जा रहा वही कोटेदार ग्राम मे नही रहता कोई सयम सीमा नही है की दुकान कब खुलना है। तेल मे पानी मिलाया जा रहा है। जिले के तमाम लोग खादृय सुरक्षा योजना से परेषान है । वही आज भी कई परिवारो के पास नही है राषन कार्ड आवेदन किये हो गये महिनो। पेंषन की वात की जाये तो दर्जनो वर्द्ध महिला/विधवा/निराश्रित लोगो को पेंषन का लाभ नही मिल

रहा जवकि उनके द्वारा कई वार आवेदन दिये जा चुके है साथ ही ग्राम मे ऐसी भी महिलाऐ है जिनका नाम पेषन सूची मे दर्ज है। पर पंचायत के लोग वोल रहे की अभी आपकी पेंषन मजूंर नही हुई। ग्राम हिम्मतुपरा के नोनी वाई भूरे लाल ने वताया की हमने सरपंच को आवेदन दिया था पर आज तक उस का कुछ नही हुआ वही पेंषन नियिमत नही मिल रही ।
परापटट्री के जगदीष ने वताया की यहाँ पर कोई काम नही चल रहा और सरपंच सचिव दोनो लोग ग्रँाव मे नही रहते और कोई उनके खिलाफ वात नही कर सकता नही तो उसकी खेर नही है क्योकि वह दाउ साहव है। जिस कारण आज भी लोग नरेगा/समाजिक सरुक्षा योजना के लाभ से वंचित है या उनके ही पसन्द के लोगो को लाभ मिल रहा है।

जिला सुनवाई कार्यक्रम के अर्न्तगत ग्राम के लोगो ने प्रषासन के सामने अपनी समस्यओ को रखा तथा अधिकारियो ने सम्बधित विभाग के अधिकरो से इन समस्याओ को चिन्हित करने के साथ कार्यवाही करने के लिए बोला और आष्वासन दिया की जल्द ही कार्यवाही की जायेगी और लोगो को उनका हक मिले यही प्रषासन व षासन चाहता है।

परिणाम– ग्रामीण लोगो को मुद्धो की समझ वनी लोगो ने अपनी वात को स्वंय आ कर जिला प्रषसन के सामने रखा व आवे. दन दिये। साथ ही प्रषासन को भी ग्राम की वास्तविक स्थिति की जानकारी हो सकी। लोगो मे अपनी वात रखने की हिम्मत व होसला आया और लोग ब्लाक तक आये।

8-Federation/CBOs conveyantion

स्थान– छतरपुर

दिनांक–16.12.2015

उद्धेष्य– फेडरेषन के माध्यम से ही आगमी रणनीती तैयार करना व जिला ब्लाक स्तर पर संघन भुमिका के रुप से कुछ लोगो की जववा देही देखना।

प्रक्रिया–कार्यक्रम मे फैडरेषन के गठन, सदस्यता, आवष्यकता आगामी रणनीति, अध्यक्ष/सचिव को लेकर सामूहिक रूप से विचार विर्मष कर आगामी कार्ययोजना तैयार की गई।

आभार महिला समिति द्वारा दिनांक 16.12.2015 को आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा छतरपुर मे फैडेषन के प्रमुख प्र. तिनधियो एवं पदाधिकारीयो के साथ कार्यषाला का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 85 लोगो की सहभागिता रही कार्यक्रम में कुल 41 महिला व 44 पुरुष साथियो के अलावा सुरेष, आषा राय, दीपक, राम कुमार, रामाधीन, प्रदीप खरे, के अलावा अध्यक्ष प्रभाति खरे व सचिव कल्पना सिंह सहित अन्य लोग भी उपस्थित हुये। कार्यक्रम का परिचय देते हुये कार्यक्रम का उद्धेष्य प्रदीप जी ने वताया कि आज की बैठक का मुख्य उद्धेष्य ग्राम मे गठित समितियो समूहो के अध्यक्ष सचिव के सदस्यो का चयन जिला स्तर के फेडरेषन के लिए किया जा चुका है और अव फेडरेषन के माध्यम से ही आगामी रणनीती तैयार की जायेगी और जिला ब्लाक स्तर पर उनकी भुमिका संघन रुप से रहेगी।इसलिए ही आज इस बैठक का निर्णय लिया गया ताकी फेडरेषन की आगमी रणनीती तय हो सके।

प्रदीप जी ने वताया की हम आप सभी जानते है की ग्राम मे गठित समिति समुहो के द्वारा गठित किये गये बुन्देल खणड एकता विकास मंच फेडरेषन को आपके के माध्यम से ही संचालित किया जा रहा है जिसका उद्धेष्य भी आप सभी जानते है कि यह फेडरेषन इसलिए ही वनाया गया था कि आजिविका परियोजना के तहत लोगो का एक सगंठन हो जो लोगो की आवाज जिला ब्लाक स्तर तक उठाये साथ ही ग्राम के ऐस परिवारो की मदद भी करे जो गरीब है बेसहारा है। जिसके तहत अभी तक हम लोगो ने काफी कार्य भी किया है और लोगो को रोजगार के साथ षासन की तमाम योजनाओ से जोड कर लोगो की आजिवका तय की है। जिसका ही उदाहरण है कि आज हम लोग इस मजबुती के साथ जुड कर कार्य कर रहे है लोगो का सोचना है कि हम लोग कुछ और आगे बढे ताकी लक्ष्य समुदाय से आगे के लोगो को भी फेडरेषन का फायदा हो और ग्राम के लोग और सष्क्त होकर कार्य कर सके।

दिनांक	स्थान	शामिल ग्राम	कुल मिटिंग	कुल प्रतिभागी	महिला/पुरुष
16.12.2015	. छतरपुर	15	01	85	41/44

आगे रामकृपाल पटेल ने अपनी बात को रखते हुए कहा कि अभी हम सभी किसानो की सबसे बडी समस्या ओला वृष्टि है जिसके कारण हमारी फसल खराब हो गई जिस कारण जो किसान लोग है उनके सामने तो ये बहुत ही परेषानी का समय है। इसको लेकर हमे सोचने अैार विचार विमर्ष करने की अवाष्यकता है। जिस पर प्रदीप जी ने कहा कि आभी माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा ओलावृष्टि द्वारा प्रभावित किसानो का सर्वे किया जाना है जिसमे हमारी सबसे पहली भूमिका यह रहेगी की जो भी एवं किसान है जिनकी फसल वास्तव मे खराब हो गई है उसका सही सर्वे कराये साथ ही इस परेषानी के समय मे जो भी संस्था एवं फैडेषन के अन्तर्गत मदद की अवाष्यता होगी हम सभी लोग करेगे। आगे प्रभाति जी ने अपनी बात को रखते हुए कहा कि फसल बरबाद होने से आप लोगो की जो समस्या हुई है उसको लेकर हम अपने यहां भोपाल स्तर पर भी बात करेगे साथ ही इस समस्या से निपटने एवं राहत सम्बन्धित अन्य कार्यक्रमो को संचा. लित करने की बात रखेगे। साथ ही किसानो ने अपनी बात को रखते हुए कहा कि यदि इस तरह की कोई सहायता उपलब्ध कराई जाती है तो किसानो को बहुत राहत मिल सकेगी।

सभी के विचार चर्चा के वाद तय किया गया कि फेडरेषन लोगो की आवष्कता को देखते हुये मुद्धा आधारित कार्य तय करेगा वही सभी ने तय किया कि इस बार कार्यक्षेत्र मे जो भी लक्ष्य समुदाय के किसान ओला प्रभावित है उन सभी की सूची तैयार कर सर्वे कराना है साथ ही उनको मुआबजा दिलाना है।

परिणाम–फैडेषन की माध्यम से अवाष्यकता अैार प्राथमिकता को देखते हुए रोजगार के लिए ऋण उपल्बध कराया जाये।

फेडरेषन के माध्यम से प्रयास किया जाये कि खादृय बीज के लिए लोगो को परेषान न होना पडे तथा किसानो को समय पर ये सुविधाऐ मिल सके। वही बैक द्वारा लोगो को लोन आदि की व्यवस्था कि जाये तो और अधिक मजबुती फेडरेषन को मिल सकेगी। साथ ही ग्राम के एक लक्ष्य को ही सीमीत न किया जाये बल्की पुरे ग्राम विकास के लिए प्लान तैयार किया जाये।

प्रदीप जी ने सभी से विचार चर्चा की और तय किया गया कि लोगो को रोजगार के लिए हम निरन्तंरत प्रयासरत है वही महिलाओ को हम प्राथमिकता से देखते है और खादृय बीज के लिए संस्था द्वारा पहले से प्रयास जारी है पर कुछ आर्थिक व संस्था स्तर पर इस को करने के लिए समस्या है क्योकि यह कार्य धन्धा मे आते है और संस्था निस्वार्थ बिना किसी भेदभाव से आप लोगो के साथ कार्य कर रही हैं, इसलिए इसे नही किया गया है। पर और कोई करना चाहत है तो संस्था उसमे पूरा सहयोग प्रदान करेगी। और जो मुद्द्े है वह फेडरेषन की सीमा मे आते है तो आप लोगो का जो निर्णय होगा वह हम सभी आम सहमति से मानेगे। इसी के साथ सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

Gender mainstreaming

4.1 Tracking of PDS and MDM and 0 To 6 years chindren (New Activity) (NB)

स्थान– रनगुवा, कदवा, अतरात, बसाटा, खैरो कुर्रा

दिनांक– 1.12 .2015 से 6.12.2015

उददे्ष्य– 0 से 6 साल तक के बच्चो को नियमित पोषण गुणव्तता के साथ मिले महिलााओ को आगनंवाडी केन्द्र का लाभ दिलाना

Defenation-आभार महिला समिति द्वारा उक्त दिनांक 01.12.2015 से 06.12.2015 मे ग्राम कुर्रा, बसाटा खेरो अतंरार कदवा, रनगुवा, मे मध्यान्ह भोजन की निगरानी को लेकर एक–एक दिवसीय समुदायिक बैठक का आयोजन किया गया साथ ही विघालय मे जाकर भोजन की गुणवत्ता, वितरण अैार मात्रा को लेकर निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दोरान लोगो ने बातया मध्यान्ह भोजन वितरित की हालत ऐसी है कि कोई भी बच्चा भोजन नही करना चाहता वह भोजन जानवरो को खिला देते हैं यह हाल है ग्राम पिपरोखुर्द का वही बगा मे कभी नियमित भोजन वनता ही नही है। स्कूल मे भोजन वितरित होने या न होने का कोई मतलब नही है क्योकि कि हमारे पर अधिकाषं बच्चे उस खाना को खाते ही नही है

आगे स्कूल मे निरीक्षण के दोरान पाया कि स्कूल का भोजन एक के द्वारा बनाया जाता है। साथ ही स्कूल मे मीन्यू के अनुसार माध्यान्ह भोजन वितरित नही किया जाता है। स्कूल मे बच्चो ने बताया कि हमारे यहां पर केवल दाल चावल अैार सब्जी रोटी

ही दी जाती है। उसमे पानी ज्यादा रहता है सब्जी कम रोटी भी गिन कर आती है। नास्ता दिया ही नही जाता खाने मे अक्सर कंकड और कीडे निकलते है जिसके कारण बच्चे खाना नही खाते है । पीने का पानी नही है बच्चो भोजन के वाद पानी पीने घर जाते है। निरीक्षण मे देखा गया कि बच्चो के खाने के लिए स्कूल मे वर्तन तो उपलब्ध है लेकिन उनका उपयोग बच्चो के लिए नही किया जाता है।

स्कूल प्रबंधन से जब मध्यान्ह भोजन को लेकर बात की गई तो उन्होने बताया कि अब हम लोगो के हाथ मे कुछ भी नही है ये सारा काम अब समूह के लोग देखते है। साथ ही साफ सफाई और वितरण व्यवस्था को लेकर हम भी कई बार समूह से बात करते है साथ ही अब पहले की अपेक्षा मध्यान्ह भोजन वितरण मे काफी सुधार हो गया है। समूह सचांलको से वात की गई तो लोगो का कहना था की मध्यान भोजन व्यवस्था लेने के लिए हजरो रुप्ये र्खच करने पडते है तब कही मध्यान भोजन का काम मिला है। कुछ कमिया तो रहेगी क्योकि अभी भी कमिषन लगता है तो कैसे करे सही काम आप वताये। आगनवाडी का भी निरीक्षण किया गया जिसमे निकलकर आया कि आगनवाडी बच्चो एवं महिलाओ को पोषण आहार वितरित किया जाता है। आगनवाडी कार्यकर्ता ममता /पुष्पा दुवे जी ने बताया कि आगनवाडी मे नाष्ता और खाना दोनो ही समूह के द्वारा वितरित किया जाता है। खाने की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था को लेकर हम लोगो ने भी कई बार कहा है लेकिन इस पर उनका कहना रहता है कि हमे जैसा बनाने के लिए बजट मिलता है उसी आधार पर हम बनाते है इस पर हम कुछ नही कर सकते है। साथ आगनवाडी केन्द्र की गर्भवती एवं षिषुवती महिलाओ से चर्चा की गई जिस पर उन्होने बाताया कि हमारे यहां पर जो लोग आगनवाडी केन्द्र आते है उनका नियामित टीकाकारण और पोषण आहार वितरण किया जाता है।

परिणाम–काम के दोरान पाया गया की व्यवस्था मे सुधार किया जा रहा है पर यह प्रकिया बहुत ही धीरे से चल रही है वही प्रषासन द्वारा भी उस तरह का सहयोग नही मिल पा रहा जिस कराण समूह सदस्य सही रुप से कार्य नही कर पा रहे। 5 स्कूलो मे व्यवस्था मे सुधार हुआ है जिसमें संस्था द्वारा संचालित समूह कार्य कर रहे है।

4.2 Training of Women leadership building

स्थान– परापटट्ी/छतरपुर

दिनांक–10.12.2015

उददेष्य– महिला कानून के साथ महिलाओ मे लीडर सिप की क्षमता को विकसित करना ।

कुल प्रतिभागी 28 महिला 19 पुरुष 11

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा दिनांक 10/12/2015 को छतरपुर मे कासा परियोजना के सहयोग से एक दिवसीय कार्यषाला का आयोजन किया गया जिसमे संस्था अध्यक्ष प्रभाति खरे, कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे, सुरेष, आषा राय, दीपक, रामकुमार सहित कुल 28 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रदीप खरे जी द्वारा किया गया जिसमे उन्होने अपना वं संस्था का परिचय बताते हुए कहा कि हमारी संस्था आभार महिला समिति विगत 15 वर्षो से जिले मे कार्य कर रही है। वर्तम. ान समय मे हमारा कार्य छतरपुर जिले की 15 पंचायतो के 17 ग्रामो मे चल रहा है। जिसमे हम महिला अधिकार, स्वास्थ्य, षिक्षा, स्वरोगार प्रषिक्षण, अधिकार आधारित, समूह गठन जैसे कार्य संस्था द्वारा किये जा रहे है। संस्था द्वारा समय समय पर ग्राम एवं जिला स्तर पर कार्यषाला, बैठक, सम्मेलनो को आयोजन किया जाता है जिससे लोगो मे जागरूकता आये और वे अपने अधिकारो को पा सके। इसी क्रम मे आज इस कार्यषाला का आयेजन किया गया है जिसका मुख्य उद्द्वेष्य कामगार महिलाओ को रोजगार के बारे मे जानकारी देना साथ ही रोजगार कहां से कैसे मिल सकते है और कौन सी सुविधाएं शासन द्वारा दी जाती है इन सभी बातो को लेकर आज की कार्यषाला का आयोजन किया गया है।

आगे प्रभाति जी ने बताया कि आज के समय हर परिवार के पास सबसे बडी समस्या अपने घर को चलाने, अपने परिवार के लिए मूलभूत सुविधाओ को जुटाना है और इन सबके लिए पैसे सबसे ज्यादा जरूरी हैं। और हमारे यहां पर सबसे बडी बात यह है कि महिलाओ को काम करने के लिए बहुत ज्यादा प्राथमिकता नही दी जाती है उन्हे केवल घर के कामो तक ही सीमित रखा जाता हैं। लेकिन अब ऐसा नही है महिलाऐ भी पुरूषो के साथ आगे बढने लगी है और वे भी परिवारिक आय मे वृद्धि एवं अपने घर को अच्छे से चलाने के लिए बराबरी से काम करती है।

महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने एवं उन्हे आर्थिक रूप से सशक्त करने के उदद्धेश्य से संस्था द्धारा बहुत से प्रयास किये जा रहे है जैस समूह गठन एवं किचिन गार्डन आदि। अभी उघोग विभाग मे फाईनेंस को लेकर योजना आई है जिसमे ग्रामीण महिलाओ को लोन दिया जाता है और उसमे छूट भी दी जाती है। जिससे कि हितग्राही अपना कोई स्वरोजगार शुरू कर सके। बैसे तो आप लोग कई बार मिले और जानते है कि हमारी संस्था फाईनेंस को लेकर कार्य नही करती है। लेकिन यहाँ पर ग्रामीण अवाश्कता को देखते हुए संस्था द्धारा तय किया गया है कि हमारे समूह की 2–3 महिलाओ को उघोग विभाग से लोन पास कराया जाऐ और उस पैसे से कोई एक बडा काम शुरू किया जाऐ जिसमे सभी महिलाऐ जुडकर काम करे।

कोशिया आदिवासी ने कहा कि समूह के जिस भी सदस्य पर लोन पास होगा वह पूरे समूह के काम मे क्यो लगायेगा। जिस पर प्रभाति जी ने कहा कि सबसे पहले तो हमे अपने मन मे एक दूसरे के सहयोग एवं मिलकर कुछ काम करने की इच्छा बढानी होगी। वही आज उघोग विभाग द्धारा 5 वी पास के महिला पुरुषो को 2 लाख से 25 लाख तक का लोन दिया जा रहा है पा आज आवष्यकता है कि हम पहले स्वंय तय करे कि हमे क्या करना है और उसका बजार की स्थिति क्या लोन संस्था पास करा देगी लोग व्यक्तिगत होगा सकता है ओर समूह के माध्यम से भी कार्य किया जा सकता है। काम को शुरू करने के बाद जो भी आय होगी उससे सबसे पहले बैंक की किश्त चुकाई जाऐगी और उसके बाद जो भी आय हो वह हितग्राही स्वयं रखे। इस काम करने मे दो लाभ है इससे एक बडा काम आपके ग्राम मे शुरू हो जाऐगा और दूसरा जो महिलाऐ अपने समूह मे जुडी है उन्हे भी हमेशा के लिए एक आय का जरिया मिल जाऐगा। जिस पर सभी ने अपनी–अपनी सहमति देते हुए लोन दिलाने के लिए आगे की रणनीति तय की गई। और 3 लोगो को लोन के आवेदन कराये गये।

इसी के साथ सभी का आभार व्यक्त कर मीटिंग का समापन किया गया।

4.3 Workshop on NRHM and its provision on access to health

स्थान– ईसानगर

दिनांक– 21.12.2015

उददे्ष्य– – ग्रामीण जन समुदाय के मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओ की स्थिति पर चर्चा व समाधान।

कुल प्रतिभागी 55 महिला 36 पुरुष 19

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा दिनांक 21.12.2015 को स्वास्थ्य केन्द्र ईसानगर के पदाअधिकायिो तथा ग्राम समुदाय के लोगो के साथ कार्यषाला का आयोजन किया गया । जिसमें स्वास्थ्य केन्द्र के बी.एम.ओ श्री साहू जी तथा डा. यादव जी व अन्य कार्य क्षेत्र का स्टाफ उपस्थित रहा । जिसमे 8 ग्राम के 44 लोगो ने सहभागिता की। जिसमे 24 महिला 20 पुरुष षामिल हुयें।

कार्यक्रम का सचांलन प्रदीप खरे जी ने किया उन्होने वताया की आप भी जानते है कि आभार महिला समिति छतरपुर विगत पिछले 15 वर्ष से इसी कार्य क्षेत्र मे समाज विकास व जनकल्याण के लिये कार्य कर रही है जिसमें लोगो को आजिविका के साथ उनके स्वास्थ्य षिक्षा बेरोजगारी के अलावा महिला सषक्तिकरण को लेकर कार्य किया जा रहा है। जिसमें ब्लाक छतरपुर की 15 पंचायतो कार्य किया जा रहा है। आगे उन्होने वताया कि कार्य के दोरान देखने मे आता है कि ग्राम स्तर पर महिलाओ को स्वास्थ्य सुविधाये नही मिल पा रही अधिकतर महिलाऐ खून की कमी के साथ अन्य बिमारी से गस्त है वही परिवार नियोजन कार्यक्रम मे महिलाओ को सही जानकारी न होने के कारण महिला नसबंदी केस की संख्या कम हो रही है।

हम जननी सुरक्षा योजना की वात करे तो समय पर वाहन नही आता यह वात कई वार व आपके स्टाफ भी देख चुका है। पैसा मागा जाता है जननी सुरक्षा की राषि समय पर नही मिलती साथ ही उसमे भी चेंक तभी मिलती है जब 100 से 200 रुपये लग जाते है बच्चो के टीका करण की वात करे तो आप सभी जानते है कि मध्यप्रदेष मे भी जिला का 6 नम्बर आता है और टीकाकरण नही हो रहा समय पर। किसी तरह की कोई दवा नही मिल रही किसी किसी ग्रम मे आषा के दर्षन नही जिससे ग्राम मे स्वास्थ्य सेवाओ का हाल ख्राब है।

बी. एम. ओ. श्री साहू जी ने वताया कि आपने वताया की यह वात सच है कि महिलाओ की स्थिति खराब है वह अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह तो है ही साथ ही खून की कमी लिकोरिया धात की बीमारी आम समस्या है रही वात जननी सुरक्षा

योजना की तो वाहन एक है और क्षेत्र बडा होने से कभी कभी यह समस्या आति है। पर और ग्राडीयो को लगाया जा रहा है। कुछ ग्रामो मे आषा कार्य ठीक से नही कर रही है इसके लिए जिला षिकायत जिला स्तर पर की गई और आने वाले समय पर उनको बदला जायेगा जिसे कुछ सुधार होगा। कुपोषण एक आम वात है जैसा की आपने वताया कि हम भी मानते है पर इसके लिए लोग स्वंय जिम्मेदार है। क्योकि आप लोग भी जब कैसे भेजते है हितग्राही एक यो दो दिन रुकता है और भाग जाता है जिस कारण लोगो को पुरा लाभ नही होता जबकी स्वास्थ्य केन्द्र पूरा ईलाज मुक्त दे रहा है पर ग्राम का आम आदमी नही रुक रहा इसके लिए आप लोग प्रयास करे ।

परिणाम–आषा व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियो ने कहा की आप और हम मिलकर महिलाओ के स्वास्थ्य के लिए ठोस कदम उठायेगे साथ ही महिलाओ को योजनाओ का पूरा लाभ मिले व स्वास्थ्य केन्द्र पर सुविधा मिले सके इसके लिए ठोस कदम उठाये जायेग।

4.4 Block level Women convenction

स्थान– छतरपुर

दिनांक– 25.12.2015

उददेष्य– कार्य स्थल पर हिसा व महिला हिसा के साथ महिला अधिकार व महिलाओ द्धारा समाज मे किये गये ठोस प्रयास।

प्रकिया- आज दिनाँक 25.12.2015 को ग्राम छतरपुर में आभार महिला समिति द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था अध्यक्ष प्रभाति खरे जी एव संस्था कार्यकर्ता सुरेष कुमार जी, रामकुमार यादव, दीपक मिश्रा, एवं आषा राय तथा ग्राम के 75 लोग शामिल हुए। जिमसे महिला 39 पुरुष 36

कार्यक्रम का शुभारम्भ परिचय सत्र के साथ शुरू किया गया। मीटिग को आगें बढाते हुए कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे जी ने अपनी संस्था का परिचय कराते हुए बताया कि हमारी संस्था विगत 15 वर्षो से 17 ग्रामो में सामाजिक विकास गरीव वेरोजगार एव असहाय लोगो के साथ मिलकर काम कर रहीं है।

प्रभाति खरे जी ने सभी का आभार व्यक्त किया और वताया कि आज की मिटिग मुख्य रुप से महिला अध्किार और महिलाओ के लाये गये कानून के साथ महिलाऐ आज किस तरह से देष समाज का नाम रोषन कर रही है हमे सोचने की आवष्यकता है क्योकि हामरे यहा लोग बेटियो को पढने नही भेजते साथ ही उनकी सोच है कि पढ लिख कर क्या करेगी ।हमे यही सोच बदलना है ताकी हमारी बेटी भी हमारे घर का नाम रोषन करे और परिवार का सहारा वने और अव किसी से डरने की कोई आवयकता नही है क्योकि सरकार ने वहुत कानून हमारी सुरक्षा के लिए वनाये है पर आवष्यकता है की हम वह जाने तथा अपने ऊपर हाने वाली किसी भी हिंसा की आवाज उठाये और दोषीयो को कडी से कडी सजा दिला कर महिलओ को इनसाफ दिलाये। आगे उन्हाने महिला हिंसा व कार्य स्थल पर होने वाली हिंसा के वारे मे वताया साथ ही अगर कोई हिंसा का केस हो या अन्य कोई समस्या है तो हमे फोन करे हम आप लोगो की पुरी सुरक्षा के लिए हर सम्भव प्रयास करेगे। प्रभाति जी ने बताया कि घरेलू हिंसा भी इसी प्रकार की एक हिंसा है जिसमें शारीरिक हिंसा, मानसिक हिंसा, आर्थिक हिंसा, मैाखिक व भाव. ानात्मक हिंसा अैार यैानिक हिंसा होती है। शारीरिक हिंसा जैसे महिला के साथ मारपीट करना, थप्पड मारना, षरीर पर काटना अैार शरीरिक रूप से चोट पहुॅचाना शारीरिक हिंसा कहलाती है। मैखिक हिंसा के अन्तर्गत वे सब बाते आती है जिससे किसी भी व्यक्ति को अपमानित करना मानसिक रूप से परेषान किया जाना ऐसी और बाते है जो घरेलू हिंसा के अन्तर्गत आती है जैसे भद्धा मजाक करना किसी को देख कर उल्टी व गन्दी बाते बोलना दहेज जबर जस्ती करना आदि । और इन वातों का रखे ध्यान अगर किसी महिला के साथ हिसा हो तो वह सवसे पहले यह करे।अपने परिवार यो किसी रिस्तेदार को वताये जिसे वह अपना करीबी मानती हो थाने मे जा कर एफआई आर कराये डाक्टरी जाचॅ किसी एम.बी.बी.एस कराये जब तक जाचॅ न हो तक पीडिता साक्ष्यो को सबुतो का मिटने न दे न नहाये न ही कपडे बदले न धोये वही पीडिता मद के लिए गोरवी महिला सम्मान और सरंक्षण अभियान को उक्त नम्बर पर फोन कर के मदद ले सकती है। 18002332244 पर सर्म्पक कर जानकारी दर्ज कराये। देष /मध्यप्रदेष में महिलाओ की दिन प्रति दिन कम होती जनसख्या को देख कर कई नियम कानून लागु किये गये है जिसमें अधिनियम वर्ष 2005 एक मुख्य महिला अधिकार कानून है अगर महिला बच्चे साथ हिंसा की जाती है तो महिला अपनी षिकायत महिला बाल विकास अधिकारी के पास कर सकता है। रामकली अहिरवार ने पूछा कि इसकी षिकायत और कहां की जा सकती है। जिस पर ज्योति जी ने बताया कि इसी षिकायत महिला बाल विकास अधिकारी या नजदीकी थाने

पुलिस अधिकारी और प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के पास षिकायत करती है औरलोग परिवार का सदस्य द्वोसी पाया जाता हैतो सजा के साथ 20000रू0 तक का जुर्माना लगायाजा सकता है।

पीडित महिला के लिए आश्रय गृह चिकित्सा विधा कानूनी जैसी सुविधाऐं षासन द्वारा उपलब्ध कराई जा सकती है पीडित महिला के रहने के लिए आश्रय गृह की व्यवस्था भी की जा सकती हे। कार्य{म से लोगो ने जाना की हिसां क्या है तथा किस तरह के प्रावधान है इसी तरह से कार्य स्थल पर होने वाली हिसा के लिए भी सहायता ले सकते है

परिणाम– महिलाओ ने कानूनो को जाना व उनकी समझ विकसीत हुई वही महिलाओ का बेटियो के प्रति एक नई दिषा मिली की बेटिया भी परिवार का सहारा हो सकती वह भी आगे पढा कर समाज देष के लिए कार्य कर सकती है।

4.5 Legal aid camp on domestic violence

स्थान– छतरपुर

दिनांक– 28.12.2015

उददे्ष्य– महिला अधिकाो के प्रति जागरुकता साथ ही कार्य स्थल पर होंने वाली हिंसा के प्रति समझ विकसित करना।

प्रकिया- ग्राम गठित महिला समूह आषा आगनवाडी कार्यकर्ता लीडर के माध्यम से समूह चर्चा विचार।

कुल प्रतिभागी 70 महिला 45 पुरुष 25

आभार महिला समिति द्वारा दिनांक 28.12.2015 को ग्राम छतरपुर मे घरेलू हिंसा पर कानूनी सहायता षिविर का आयोजन किया गया। जिसमे संस्था कार्यकर्ता सुरेष कुमार जी, रामकुमार यादव, दीपक मिश्रा, एवं आषा राय कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे, प्रभाति खरे, ग्राम वासियो उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ परिचय सत्र के साथ किया गया जिसमे प्रदीप जी ने अपना परिचय देते हुए संस्था के कायी के वारे वताया की महिला सषक्तिकरण ⁄जागरूक और सषक्त करने के उद्द्वेष्य से ग्राम स्तर पर मीटिंग, बैठको और षिविरो का आयोजन किया जाता है। साथ ही इन कार्यक्रमो का मुख्य उद्द्वेष्य लोगो को शासन द्वारा संचालित योजनाओ के बारे मे जानकारी देना और योजनाओ से जोडना है जिससे लोगो को अपने अधिकार मिले और पात्र हितग्राही तक योजनाओ की पहुॅच सके।

आज की मीटिंग का उद्द्वेष्य जन समुदाय को महिला संरक्षण एवं महिला नीतियो के साथ कार्य स्थल पर महिलाओ के साथ हाने वाली हिसा के बारे सामूहिक चर्चा ताकी समाज मे महिलाऐ आत्मनिर्भ्झर हो कार्य कर सकें और हिसा के प्रति आवाज उठाा सके। प्रभाति जी ने बताया कि घरेलू हिंसा भी इसी प्रकार की एक हिंसा है जिसमें शारीरिक हिंसा, मानसिक हिंसा, आर्थिक हिंसा, मैखिक व भावानात्मक हिंसा और यैानिक हिंसा होती है। शारीरिक हिंसा जैसे महिला के साथ मारपीट करना, थप्पड मारना, षरीर पर काटना और शरीरिक रूप से चोट पहुॅचाना शारीरिक हिंसा कहलाती है। मैखिक हिंसा के अन्तर्गत वे सब बाते आती है जिससे किसी भी व्यक्ति को अपमानित करना मानसिक रूप से परेषान किया जाना ऐसी और बाते है जो घरेलू हिंसा के अन्तर्गत आती है जैसे भद्धा मजाक करना किसी को देख कर उल्टी व गन्दी बाते बोलना दहेज जबर जस्ती करना कार्य स्थल पर इसी तरह की वाते या छेड छाड जैसे विषय को जानना आवष्यक है साथ ही ऐसा कार्य करने वालो के विरुघ आवाज उठाना उस भी

ज्यादा जरुरी है। **अगर किसी महिला के साथ हिसा हो तो वह सवसे पहले यह करे।अपने परिवार यो किसी रिस्तेदार को वताये जिसे वह अपना करीबी मानती हो थाने मे जा कर एफआई आर कराये डाक्टरी जाचॅ किसी एम.बी.बी.एस कराये जब तक जाचॅ न हो तक पीडिता साक्ष्यो को सबुतो का मिटने न दे न नहाये न ही कपडे बदले न धोये वही पीडिता मदके लिए**

गोरवी महिला सम्मान और सरंक्षण अभियान को उक्त नम्बर पर फारे कर के मदद ले सकती है। 18002332244पर सर्म्पक कर जानकारी दर्ज कराये।

देष /मध्यप्रदेष में महिलाओ की दिन प्रति दिन कम होती जनसख्या को देख कर कई नियम कानून लागु किये गये है जिसमें अधिनियम वर्ष 2005 एक मुख्य महिला अधिकार कानून है अगर महिला बच्चे साथ हिंसा की जाती है तो महिला अपनी षिकायत महिला बाल विकास अधिकारी के पास कर सकता है। रामकली अहिरवार ने पूछा कि इसकी षिकायत और कहां की जा सकती है। जिस पर ज्योति जी ने बताया कि इसी षिकायत महिला बाल विकास अधिकारी या नजदीकी थाने पुलिस अधिकारी और प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के पास षिकायत करती है और लोग परिवार का सदस्य द्वोसी पाया जाता है तो सजा के साथ 20000 रू0 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पीडित महिला के लिए आश्रय गृह चिकित्सा विधा कानूनी जैसी सुविधाऐं षासन द्वारा उपलब्ध कराई जा सकती है पीडित महिला के रहने के लिए आश्रय गृह की व्यवस्था भी की जा सकती हे। कार्य{म से लोगो ने जाना की हिसां क्या है तथा किस तरह के प्रावधान है इस कानून में इस के वाद कार्यक्रम का समाप्न किया गया जिसमें कमलेष जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

परिणाम–महिलाओ की समझ विकसित हुई महिलाओ ने कार्य स्थल पर हाने वाली हिंसा के वारे मे भी जाना साथ ही स्थानीय स्तर पर कार्य करने वाली आषा आगनवाडी कार्यकता सुखा समिति के सदस्यो को पुलिस सहायता सरंक्षण अधिकारी के नम्बर व अन्य जानकारी उपलबध कराई गई।

women violence mitigation Campaign

दिनाक– 26/12/2015

स्थान– रनगुवा

कुल प्रतिभागी 80 महिला 55 पुरुष 25

उद्धेष्य–महिला कानून व महिला अधिकारो पर समझ विकसित करना।

प्रकिया– समूह चर्चा व्यक्तिग उदोघषण पोष्टर वेन के माध्यम से कार्यक्रम का संचालन करना।

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा दिनांक 26.12.2015 को रनगुवा मे women violence mitigation Campaign कार्यषाला का आयोजन किया गया । संस्था अध्यक्ष प्रभाति खरे संस्था कार्यकर्ता सुरेष कुमार जी, रामकुमार यादव, दीपक मिश्रा, एवं आषा राय कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे, प्रभाति खरे, ग्राम वासियो उपस्थित रहे। कार्यक्रम की षुरुआत मे प्रभाति जी ने वताया कि महिला हिसां के वारे मे आप सव को पहले भी जानकारी दी गई पर कुछ लोग नये है इसके लिए चर्चा करना आवष्यक है कि महिला हिसा है क्या कार्य स्थल पर हिसा किस तरह से हो सकती है। और उसे कैसे रोका जाये और आये दिन महिलाओ के हो रहे षोषण एक बडी समस्या वनती जा रही है हमारे समाज मे प्रदेष मे महिला संरक्षण एवं महिला नीतियो के साथ कार्य स्थल पर महिलाओ के साथ हाने वाली हिसा के बारे सामूहिक चर्चा ताकी समाज मे महिलाऐ आत्मनिभर हो कार्य कर सकें और हिसा के प्रति आवाज उठाा सके। प्रभाति जी ने बताया कि घरेलू हिंसा भी इसी प्रकार की एक हिंसा है जिसमें शारीरिक हिंसा, मानसिक हिंसा, आर्थिक हिंसा, मैखिक व भावानात्मक हिंसा और यैानिक हिंसा होती है। शारीरिक हिंसा जैसे महिला के साथ मारपीट करना, थप्पड मारना, षरीर पर काटना और शरीरिक रूप से चोट पहुॅचाना शारीरिक हिंसा कहलाती है। मैखिक हिंसा के अन्तर्गत वे सब बाते आती है जिससे किसी भी व्यक्ति को अपमानित करना मानसिक रूप से परेषान किया जाना ऐसी और बाते है जो घरेलू हिंसा के अन्तर्गत आती है जैसे भद्धा मजाक करना किसी को देख कर उल्टी व गन्दी बाते बोलना दहेज जबर जस्ती करना कार्य स्थल पर इसी तरह की वाते या छेड छाड जैसे विषय को जानना आवष्यक है साथ ही ऐसा कार्य करने वालो के विरुघ आवाज उठाना उस भी ज्यादा जरुरी है। और अगर किसी महिला के साथ कोई घटना घटती है तो आवष्यक है कि आप सवसे पहले षिकायत करे परिवार मे वताये पर कार्यवाही जरुर करे नही तो लोगो के होसले बुलं हो जाते है और वह यही घटना को आगे भी अन्जाम दे सकते है इसलिए आवष्यक है कि कार्य वाही जरुर करे।

प्रदीप जी ने वताया की आज जिले मे महिला स्वास्थ्य की वात करे तो हम आप सभी जानते है कि हमारी महिलाऐ किस तरह से पति परमेषवर के वाद ही खाना खाती है उसके वाद भी भर पेट भोजन नहिी लेती साथ ही महिलाओ उसके वाद परिवार मे लडके की चाह के कारण एक महिला 5 से 6 बच्चो को जन्म देती है वही अक्सर देखा गया है कि ग्रामो महिलओ को लिकोरिया की बिमारी अधिक पाई जा रही है यह आकडे स्वास्थ्य विभाग वतारहा है वही खुन की कमी अत्यअधिक है महिलओ मे क्योकि उनको पोषण युक्त भोजन नही मिलता भर पेट खाना नही खाती महिलाऐ जिसके कारण जिले मे देखे तो षिषु लिगे अनुपात की वात करे तो जिले मे 1000 लडको के जनम पर 918 लडकिया जन्म लेती है इसका भी यही कारण है कि महिला हिया कम उम्र मे षादी कुपोषण खुन की कमी जिसके कारण आज महिलओ की दि प्रति दिन सख्या कम रही है महिलाओ को बचाना है तो हम समाज के लोगो को भी कुछ प्रयास करने होगे जिससे महिलओ की योजनाओ मे भागेदारी बढे और महिलाओ को योजना का लाभ मिल सके। जैसे खादृय सुरक्षा योजना/आगंनवाडी केन्द्र के साथ स्वास्थ्य विभाग मुख्य रुप से षामिल है। जिसके अनर्तगत महिलाओ तामम सुविधाये दी जा रही है जिनके लिए हम सव को प्रयास करने होगे कि महिलाओ का बेहत स्वास्थ्य के साथ जी सके।

इसके लिए प्रत्येक ग्राम मे पोस्टर /वेनर लगाये गेय और सदेंष दिया गया कि षिषु को मॉ का दुध अवष्य पिलाये प्रसव चिकित्सालय मे कराये साथ ही राष्टीय खादृय योजना 2013 के तहत 6000 की आर्थिक सहायता दिलाये व आगंनवाडी केन्द्र से छः माह तक निःषुल्क राषन पाये। व स्वास्थ्य सेवाओ का लाभ उटाये साथ ही जननी सरुक्षा व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओ का भी लाभ ले।

परिणाम – इस कार्यक्रम के वाद ग्रामीण लोगो के कई सवाल किये गये और लोगो ने माना की हमे तो इस तरह के नियम कानून की जानकारी ही नही थी आषा आगंनवाडी कार्यकर्ता को भी जागरुकता हुई लोगो को वेनर /पोस्टर मे दी गई जानकारी से समाज मे जन जागरुकता फेलगी।और महिलाओ को योजना का लाभ मिल सकेगा।

Sturdy resurch Documentation and publication

5. Study on impact of PDS on food security

Izkfd;k– सर्वे प्रपत तैयार किये गये मुद्दो को चिहिनत किया गया साथियो को सर्वे पर जानकारी दी गई प्राथमिकता वाले ग्रामो का चयन कियागया

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा कार्यक्षेत्र के 10 पंचायतो मे खादृय सुरक्षा योजना के तहत 45 परिवरो का सर्वे किया गया जिसमें समुदाय के अ0ज0, अ0ज0ज0 और अ0पि0वर्ग0 परिवारो का सर्वे किया गया जिसमें जाने का प्रयास किया गया कि लोगो के पास राषन कार्ड है या नही वही कोन सा राष्न कार्ड है । लोगो को नये खादृय सुरक्षा कानून 2013 के वारे मे जानकारी है नही वही राषन की दुकान कहा है राषन मिलता है या नही कितना मिलता है। पैसा ज्यदा तो नही लगता कोटेदार का व्यवहार कैसा है। पर्चा कहा से मिलती है सव को मिलती है या नही पंर्चा के लिए पैसा तो नही लगता राषन की गुणव्ता ठीक है या नही जैसे सवाल लोगो से किये गये। जिसमे देखने मे आया की आज भी लोगो को नये कानून की जानकारी नही है कुछ लोगो को पर्चा नही मिलती साथ ही अधिक लोगो के पास राषन कार्ड नही है जिनके पास बी.पी. एल कार्ड था पर आज समान्य कर दिया गया है। कही पर लोगो को 5 कि.लो मिटर तक राषन लेने जाना पड रहा है जैसी समस्या से लोग परेषान है।

क्र0	ग्राम का नाम	कुल परिवार	कुल सर्वेक्षण परिवार				सर्वेक्षण जनसंख्या			
			अ.ज.	अ.ज.ज.	अ.पि.व.	योग	म0	पि0	बच्चे	योग
1	10	465	192	158	225	575	815	1015	495	2325

राशन वितरण की व्यवस्था पर नजर

राषन वितरण व्यवस्था की वात करे तो ग्रामें वितरण तो हो रहा है पर 70 प्रतिषत लोगो को ही राषन दिया जा रह है वही दो दि नही वितरण किया जाता है। राष्न की वात केर तो नमक गेहू चावल तेल षक्कर वितरण किया जाता है वही अधिक लोगो को पर्ची नही मिल पाती जिस कारण लोग राषन लेने से बचित हो जाते है आज भी लोगो कालावजारी कर रहे है लोगो का मानना है।

परिणाम– 465 परिवारो का सर्वे किया गया जिसमें 2325 लोगो से सीघे सर्म्पक कर खादृय सुरक्षा योजना के वारे मे जानकारी एक्त की गई वही लोगो को नये कानून 2013 की जानकारी उपल्बध कराई गई ।

PME

Office Meeting आभार महिला समिति छतरपुर अक्टुवर से दिसम्वर के बीच 3 मीटिग का आयोजन किया गया जिसमे पिछली बेठक 31/12/2015 को की गई जिसमें संस्था अध्यक्ष प्रभाति खरे व सचिव प्रज्ञा सिह सहित स्टाफ के सदस्य श्शामिल हुये। मीटिंग मे प्रदीप जी ने सभी का स्वागत किया और पिछली कार्यवाही पड कर सुनाई जिसमे पर सभी ने सतोष प्रकट किया। श्रीमति प्रभाति जी द्धारा सभी की डेली डायरी एवं प्रगति रिपोर्ट को देखा और अभी तक किये गये कार्य के वारे मे चर्चा की तथा संतोष प्रकट किया ।

आग उन्होने वताया कि कासा के यह 2 फेस 31/12/2015 को समाप्त हो रहा है और सभी ने अच्छा कार्य किया व संस्था के लोगो का पुरा सहयोग हमें मिला जिस कारण से हम यहकर सके।आगे उन्हाने वताया कि 15 जनवरी 2016 तक कासा की समस्त जानकारी रिर्पोट आय व्यय पत्रक ओन मिश अन्य जानकारी भेजना है जिसके लिए आप लोग समय पर कार्य पुरा करे वही उन्हाने वताया की अभी कासा से कोई भी जवाज नही आया है कासा स्टाफ रहेगा या नही तो हम आप लोगो को वताना चाहते है कि जग तक कासा के कोई जवाज नही आता हम आप लोगो को मानदेय का भुकनात नही कर सकेग साथ ही आगे अगर संस्था को 3 फेस मे लिया जाता है तो आप लोगो निरन्तर मानदेय का भुकतान होगा साथ देर से भुकतान हो सकता है तो आप लोगो समय पर पिछला कार्य समाप्त करे कासा को रिर्पोट करे।

साथ ही उन्होने कहा कि फिल्ड स्टाफ ध्यान रखे कि फिल्उ की प्रकिया निरन्तर चलती रहे लोगो को फोन से सर्म्पक करे साथ ही समय समय पर फिल्ड भी जाये तथा फेडरेशन का सहयोग करे व सहयोग ले ताकी ग्रामीण जन को कोई समस्या न हो।

प्रदीप जी ने आगामी रणनीति का लेकर चर्चा की लोगा का योजनाओ के साथ जोडने के अलावा अन्य राहत कार्य पर जोर दिया आगमी कार्य योजना वनाने को लेकर चर्चा की गई और जिम्मेदारी तय की गई। प्रभाति खरे जी ने वताया की कासा से वार वार यह शिकायत आ रही है कि महिलाओ की भागेदारी कम है और महिलाऐ निकल कर नही आ रही ऐसे मे आवश्यकता है की आप लोग महिलाओ की सख्या को बढाये साथ ही फेडरेशन मे महिलाओ को जोडा जाये तथा जो महिलाऐ बाहर आ जा सकती है उनको चिहिन्त कर सुची वनाई जाये और आगमी फेडरेशन की मिटिग मे खास तोर पर महिलओ को बुलाया जाये ताकी उनकी क्षमता बर्धन किया जस सके

संस्था द्धारा सुखा से राहत लोगो को मिल सके इसके लिए ठोस कदम उठझये गये जिसमें अनाज/बीज बैक का पुरा राशन लोगो को मुक्त दिया जायेगा वही उनसे कोई भी बीज/अनाज वापीस नही लिया जायेगा वही कपडा/वर्तन/बेग/जैसे सामन भी संस्था मुक्त उपल्बध करायेगी। जिससे सुखा से प्रभातिव लोगो को कुछ राहत दी जा सके और आगे हर सम्भव मदद के लिए हम लोगो प्रयास किया जायेगा पर जोर दिया गया।

प्रदीप जी ने सभी का आभार व्यक्त किया और बमठक समाप्ति की घोषणा की।

Field Visit

संस्था पदाधिकारियो द्धारा कार्यो की निगरानी और परियोजना के उद्द्धेष्य की प्राप्ति को लेकर सहयोगी साथियो द्धारा किये गये की स्थिति को देखने व उनमे और अधिक सुधार किया जा सके इसको लेकर संस्था प्रबधक व संस्था के अन्य

पदाअधिकारीयो द्धारा कार्य क्षेत्र का भम्रण किया गया जिसमे ग्राम रनगुवा,, अतरार, परापट्टी, कुर्रा, कदवा, वगा बरद्धाहा मे किये जा रहे कार्य मे महिला समूहो नरेगा समिति, बीज बैक समिति, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की स्थिति को लेकर महिला समूहो सदस्या के साथ बैठक एंव चर्चा की गई। जिसमे उन्होने बताया ग्रामो मे रोजगार, आजीविका, बीज बैंक, शासकीय योजनओ से लोगो को जुडावा हुआ है लोगो मे जागरुकता आ रही है। महिला सषक्तिकरण ग्राम सरकार के साथ महिलाओ की सघन भागेदारी हो रही है ग्राम सभा व लेबर बजट मे संघन भुमिका महिलाऐ निभा रही है। वही जेन्डर विषय पर भी लोगो की समझ विकसित हुई हैं और लोग आगे बढ कर कार्यक्रम मे भग ले रहे है। साथ ही जो महिलओ के लिए योजनाऐ वताई उस महिलओ को वहुत लाभ हो रहा है तथा आगंनवाडी केन्द्र व राषन की दुकान से लाभ मिल रहा है जो एक बडा कार्य देखने मे आता है।

ग्राम भ्रमण के दोरान सभी ग्राम के लोगो के साथ लक्ष्य समुदाय के लोगो ने सुखा की इस साल मे लोगो के सामने रोजी रोटी की समस्या खडी हो गई है बच्चो के पास कपडे नही ग्राम मे पीने का पानी नही रोजगार मिल नही रहा ऐसे मे लोगो क्या करे उन्हाने मागं की जल्द ही लोगो की रोजी रोटी की व्यवस्था की जाये लोगो को रोजगार उपल्बध कराये जाये षासन के साथ संस्था भी सीधे लोगो को अनाज बीज के साथ अन्य राहत दे ताकी बच्चो /कुपोषित/विकलागो /निराश्रतो को राहत मिल सके और इस विप्दा की घडी मे वह लोग अपना गुजारा कर सके।

संस्था द्धारा निर्णय लिया गया कि ग्रामो मे जितने भी बीज/अनाज बैक है उनका अनात जरुरत मंद लोगो को उपल्बध कराया जाये साथ ही उनसे बीज/अनात वापीस नही लिया जायेगा और समय आने पर पुनः अनाज/बीज एकत्र. कर कार्य किया जायेगा साथ ही संस्था को गुज के सहयोग से जो कपडे वर्तन किताव बेग मिले है उनको भी लक्ष्य समुदाय को दिया जाये फेडरेषन के माध्यम से लोगो की माग को जिला व ब्लाक स्तर पर उठाने के हर सम्भव प्रयास किये जाये पर लोंगो को कोई नुक्षान न हो और उनको भोजन पानी की पुर्ण व्यवस्था की जाये। इस तर से संस्था के राहत कार्य से लोगो को मदद की जा रही है और आगे भी प्रयास किये जा रहे है।

<u>आभार टीम</u>